NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2025

Your Path to Success

खंड - अ

SET - A

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

1. आज़ादी तनहाई के लिए _____ है।

उत्तर - आज़ादी तनहाई के लिए **महफ़िल** है।

2. बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता नहीं मिलती?

(A) मानवीकरण **(B) प्रश्न शैली**

(C) दृश्यात्मकता **(D) ओजस्विता**

उत्तर - (D) ओजस्विता

3. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में 'हाथ पीले करना' मुहावरा का अर्थ _____ है ।

(ख) आह्वान कविता के अनुसार सब मिलकर देश को एकता के सूत्र में बाँधों और _____ उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम करें।

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है, जिसकी _____ का विकास न हुआ हो या जो मूर्ख हो।

उत्तर - (क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में 'हाथ पीले करना' मुहावरा का अर्थ **शादी कर लेना** है ।

(ख) आह्वान कविता के अनुसार सब मिलकर देश को एकता के सूत्र में बाँधों और **सुख -शांतिमय** उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम करें।

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है, जिसकी **बुद्धि** का विकास न हुआ हो या जो मूर्ख हो।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(क) धन आवश्यकता के अनुसार ही अच्छा होता है। कबीर के अनुसार उससे अधिक होने पर _____ पालने की अपेक्षा दान देना _____ है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने पोखर के पानी में चाँद के _____ में गोल _____ की कल्पना की है।

उत्तर - (क) धन आवश्यकता के अनुसार ही अच्छा होता है। कबीर के अनुसार उससे अधिक होने पर **व्यसन** पालने की अपेक्षा दान देना **बेहतर** है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने पोखर के पानी में चाँद के **प्रतिबिंब** में गोल **खंभे** की कल्पना की है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में नदियों के _____ पानी, उनमें बढ़ते _____ को लेकर दुख प्रकट किया है।

(ख) आज़ादी कविता में उस्ताद _____ भाषा का और लैंपपोस्ट _____ भाषा का शब्द है।

उत्तर -

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में नदियों के **गंदे** पानी, उनमें बढ़ते **प्रदूषण** को लेकर दुख प्रकट किया है।

(ख) आज़ादी कविता में उस्ताद **फारसी** भाषा का और लैंपपोस्ट **अंग्रेजी** भाषा का शब्द है।

6. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

सुनता हूँ, मैंने भी देखा,
काले बादल में रहती चाँदी की रेखा।
काले बादल जाति द्वेष के,
काले बादल विश्व क्लेश के,
काले बादल उठते पथ पर,
नए स्वतन्त्रता के प्रवेश के !
सुनता आया हूँ, है देखा,
काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा !
आज दिशा है घोर अंधेरी,
नभ में गरज रही रण-भेरी,
चमक रही चपला क्षण-क्षण पर,
झनक रही झिल्ली झन-झन कर;
नाच-नाच आँगन में गाते केका-केकी,
काले बादल में लहरी चाँदी की रेखा।
काले बादल, काले बादल,
मन भय से हो उठता चंचल !
कौन हृदय में कहता पल-पल,
मृत्यु आ रही साजे दलबल !
आग लग रही, घात चल रहे,
विधि का लेखा !
काले बादल में छिपी चाँदी की रेखा !
मुझे मृत्यु की भीति नहीं है,
पर अनीति से प्रीति नहीं है,
यह मनुजोचित रीति नहीं है,
जन में प्रीति-प्रतीति नहीं है।
देश जातियों का कब होगा,
नव मानवता में रे एका,
काले बादल में कल की,
सोने की रेखा !

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(क) कवि के अनुसार काले बादल किसके प्रतीक हैं?

(A) बारिश के **(B) विश्व क्लेश के**

(C) अंधेरे के **(D) मृत्यु के**

उत्तर - (B) विश्व क्लेश के

(ख) कवि को किसका भय नहीं है?

(A) शत्रु का **(B) शासन का**

(C) संघर्ष का **(D) मृत्यु का**

उत्तर - (D) मृत्यु का

(ग) 'काले बादल में रहती चाँदी की रेखा' पंक्ति से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(A) बादल में सफेद रेखा है।

(B) विपत्तियों के बीच आशा की किरण दिखाई देती है।

(C) काले बादल में चाँदी लगी है।

(D) काले बादलों में बिजली चमक रही है।

उत्तर - (B) विपत्तियों के बीच आशा की किरण दिखाई देती है।

(घ) कवि को किस से प्रीति नहीं है?

(A) अनीति से **(B) वर्षा से**

(C) बादल से **(D) चाँदी से**

उत्तर - (A) अनीति से

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

7. "बहादूर, आकर नाश्ता क्यों नहीं कर लेते?" बहादुर कहानी में यह कथन किसका है?

(A) किशोर **(B) वाचक**

(C) निर्मला **(D) रिश्तेदार**

उत्तर - (C) निर्मला

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

8. 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में मिरज़ा के घर के नौकर-चाकर शतरंज के खेल को _____ खेल बोलते थे।

(A) मनहूस **(B) अच्छा**

(C) समझदार **(D) मज़ेदार**

उत्तर - (A) मनहूस

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

9. गौरैया सुखी राजकुमार के सान्निध्य में क्या सीखती है?

(A) तरस खाना **(B) निस्वार्थ प्रेम**

(C) दया करना **(D) आत्मविश्लेषण**

उत्तर - (B) निस्वार्थ प्रेम

10. अंधेर नगरी नाटक में 'टके सेर भाजी टके सेर खाज़ा' में निहित व्यंग्यार्थ है _____

(A) सभी चीज़ें बहुत सस्ती हैं।

(B) एक टके की एक सेर भाजी खाओ।

(C) गुणों और मूल्यों की कदर नहीं है।

(D) सभी नागरिकों को समान महत्व मिले।

उत्तर - (C) गुणों और मूल्यों की कदर नहीं है।

11. सार लेखक को मूल भाव और उसको पुष्ट करने वाले संबंधित बिंदुओं की पहचान कर उनको क्या देना होता है?

(A) क्रम **(B) उदाहरण**

(C) शीर्षक **(D) दोहराव**

उत्तर - (A) क्रम

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

12. अखबार में कार्टून छापने का उद्देश्य _____ और _____ टिप्पणी करना है।

उत्तर - अखबार में कार्टून छापने का उद्देश्य **_मनोरंजन_** और **_तीखी_** टिप्पणी करना है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

13. अनौपचारिक पत्र अपनों को प्रेम भरे भावों से स्वाभाविक _____ की _____ में लिखे जाते हैं।

उत्तर - अनौपचारिक पत्र अपनों को प्रेम भरे भावों से स्वाभाविक **बातचीत** की **शैली** में लिखे जाते हैं।

14. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(क) मानव-शरीर का अध्ययन करने वाले प्राणि-विज्ञानियों का निश्चित मत है कि मानव-चित्त की भाँति मानव शरीर में ही बहुत-सी अभ्यासजन्य _____ रह गई हैं।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में देवदूत _____ का दिल और _____ की लाश ले आया।

उत्तर -

(क) मानव-शरीर का अध्ययन करने वाले प्राणि-विज्ञानियों का निश्चित मत है कि मानव-चित्त की भाँति मानव शरीर में ही बहुत-सी अभ्यासजन्य **सहज वृत्तियाँ** रह गई हैं।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में देवदूत **जस्ते** का दिल और **गौरैया** की लाश ले आया।

15. निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए -

(क) "किसी के दिन बराबर नहीं जाते। कितनी दर्दनाक हालत है।"

उत्तर - मिरज़ा

(ख) "आधी तनखाह तो नौकर पर ही खर्च हो रही है, पर रुपया-पैसा कमाया किस लिए जाता है?" _____

उत्तर - निर्मला

16. नीचे दिए गए कथनों को उत्तर-पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही हैं या गलत।

(क) सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया के सब साथी कल दूसरे प्रपात तक उड़ जाएँगे।

(ख) पशुता को हराने के लिए स्व का बंधन आवश्यक नहीं है।

उत्तर -

(क) सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया के सब साथी कल दूसरे प्रपात तक उड़ जाएँगे। (**सही**)

(ख) पशुता को हराने के लिए स्व का बंधन आवश्यक नहीं है। (**गलत**)

17. निबंध में _____ होनी चाहिए, वाक्य छोटे तथा _____ होने चाहिए।

(A) क्रमबद्धता, प्रभावशाली **(B) क्रम, गंभीर**

(C) कहानी, लम्बे **(D) कल्पना, प्रभावशाली**

उत्तर - (A) क्रमबद्धता, प्रभावशाली

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

18. नीचे दिए गए पाठों और पात्रों के सही युग्म चुनिए और उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए-

पाठ का नाम	पात्र का नाम
(क) अंधेर नगरी	**वाचक**
(ख) बहादुर	**नारायणदास**

उत्तर -

पाठ का नाम	पात्र का नाम
(क) अंधेर नगरी	नारायणदास
(ख) बहादुर	वाचक

19. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) समाचारों का चयन उनके महत्व और _____ के अनुसार किया जाता है।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में _____ स्थितियों का वर्णन किया गया है।

उत्तर -

(क) समाचारों का चयन उनके महत्व और **उपयोगिता** के अनुसार किया जाता है।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में **दयनीय** स्थितियों का वर्णन किया गया है।

20. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

समस्त ग्रंथों एवं ज्ञानी, अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है। हमें कर्म करने के लिए जीवन मिला है। कठिनाइयाँ, दुख कष्ट आदि हमारे शत्रु हैं जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है। अंग्रेजी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने कहा है, "कायर मनुष्य अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते है किंतु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं।" विश्व के प्रायः समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशील, और अपराजेय व्यक्तित्व है। महापुरुषों को अपने जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परंतु वे घबराए नहीं संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए। संघर्ष के मार्ग पर अकेला ही चलना पड़ता है, कोई बाहरी शक्ति आप की सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। समस्याएँ वस्तुतः जीवन का पर्याय है। यदि समस्याएँ न हों,तो आदमी प्रायः अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। समस्या को सुलझाते समय, उसकासमाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभर कर आता है। धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन है। पुराणों में अनेक कथाएँ

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखें व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान के उपाय सोचें। जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्वपूर्ण कार् करेगा उतना ही उसके समक्ष समस्याएँ आएँगी और उनके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा।

(क) जीवन क्या है?

(A) धर्मक्षेत्र **(B) रणक्षेत्र**

(C) कर्मक्षेत्र **(D) क्रीड़ाक्षेत्र**

उत्तर - (C) कर्मक्षेत्र

(ख) संघर्ष के मार्ग पर कैसे चलना पड़ता है?

(A) अकेले ही **(B) झुकक**

(C) समूह में **(D) पंक्तियों में**

उत्तर - (A) अकेले ही

(ग) यदि समस्याएँ न हो, तो आदमी प्रायः अपने को कैसा समझने लगेगा?

(A) सक्रिय **(B) निष्क्रिय**

(C) दानवीर **(D) सहनशील**

उत्तर - (B) निष्क्रिय

(घ) महापुरुषों की महानता का रहस्य क्या है?

(A) उनकी दानशीलता **(B) उनकी सहनशीलता**

(C) उनकी वीरता **(D) उनकी शक्ति**

उत्तर - (C) उनकी वीरता

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

21. 'अपना सा मुँह लेकर रह जाना' मुहावरे का अर्थ है

(A) लज्जित होना **(B) घबरा जाना**

(C) अकड़ना **(D) भाग जाना**

उत्तर - (A) लज्जित होना

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

22. पुरुषोत्तम _____ समास का उदाहरण है।

(A) अव्ययीभाव **(B) द्वंद्व**

(C) तत्पुरुष **(D) द्विगु**

उत्तर - (C) तत्पुरुष

23. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य है-

(A) मत मारो मुझे। **(B) मुझे मत मारो।**

(C) मुझे मारो मत। **(D) मारो मत मुझे।**

उत्तर - (B) मुझे मत मारो

24. प्रधानाचार्या प्रार्थना सभा में आईं और उन्होंने सदाचार पर भाषण दिया।

यह _____ वाक्य है।

(A) संयुक्त **(B) मिश्र**

(C) सरल **(D) विधानसूचक**

उत्तर - (A) संयुक्त

25. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(i) परमेश्वर का संधि-विच्छेद _____ है।

(ii) उत्तरोत्तर का संधि-विच्छेद _____ है।

उत्तर - (i) परमेश्वर = परम + ईश्वर

(ii) उत्तरोत्तर = उत्तर + उत्तर

26. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(i) सफल शब्द में _____ उपसर्ग है।

(ii) योग्यता शब्द में _____ प्रत्यय है।

उत्तर - (i) सफल शब्द में उपसर्ग = स

(ii) योग्यता शब्द में प्रत्यय = ता

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

27. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(i) कमल, सुर, निडर, गति में से तद्भव शब्द है _____ ।

(ii) नासिका, गेहूँ, भिखारी, मोती में से तत्सम शब्द है _____ ।

उत्तर - (i) कमल, सुर, निडर, गति में से तद्भव शब्द है = निडर

(ii) नासिका, गेहूँ, भिखारी, मोती में से तत्सम शब्द है = नासिका

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड 'ब'

28. निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-

देखता हूँ मैं : स्वयंवर हो रहा है
प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है
इस विजन में,
दूर व्यापारिक नगर से,
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।

उत्तर -

देखता हूँ मैं..... उपजाऊ अधिक है।

भाव सौंदर्य : प्रस्तुत पंक्तियाँ केदारनाथ अग्रवाल द्वारा रचित कविता चंद्रगहना से लौटती बेर से ली गई है, जिसमें प्रकृति की सुंदरता और ग्रामीण जीवन की सरलता का बड़ा ही सजीव चित्रण किया है। इस कविता में कवि ने खेत में स्वयंवर के रूप में प्रकृति का वर्णन किया है, जहाँ चने, अलसी और सरसों के पौधे दूल्हा-दुल्हन की तरह सजे हैं। चारों ओर वातावरण में आकर्षण और अनुराग भरा हुआ है। यहाँ नगर की कृत्रिमता से दूर, ग्रामीण क्षेत्र की भूमि अधिक उपजाऊ और प्रेममयी दिखाई देती है।

शिल्प-सौंदर्य :

1) मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किया गया है।
2) कवि द्वारा प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम को व्यक्त किया गया है।
3) सरल व सहज भाषा का प्रयोग किया गया है।
4) विवाह का दृश्य दिखाने के लिए उससे जुड़े शब्दों का प्रयोग किया गया है, जैसे- हाथ पीले करना, ब्याह मंडप, स्वयंवर आदि।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

आओ, मिलें सब देश-बांधव हार बन कर देश के,
साधक बने सब प्रेम से सुख-शांतिमय उद्देश्य के,
क्या सांप्रदायिक भेद से ऐक्य मिट सकता अहो !
बनती नहीं क्या एक माला विविधा सुमनों को कहो?

उत्तर -

आओ, मिलें सब ..... सुमनों को कहो?

भाव-सौन्दर्य : प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्रकवि **मैथिलीशरण गुप्त** की ***आह्वान*** कविता से ली गई हैं। कवि इन पंक्तियों में देशवासियों को एकता और भाईचारे का संदेश देते हैं। वे कहते हैं कि भारत अनेक धर्मों, जातियों और संप्रदायों का देश है। अगर हम **आपसी भेदभाव भूलकर** मिलकर काम करें, तो हमारा देश **सुख, शांति और प्रगति** की ओर बढ़ सकता है।

कवि प्रश्न करते हैं कि **क्या जाति या संप्रदाय का भेद हमें एक होने से रोक सकता है?** उनका उत्तर है नहीं। जिस प्रकार अलग-अलग फूलों को मिलाकर सुंदर माला बनाई जाती है, वैसे ही विभिन्न समुदायों और विचारों के लोग भी प्रेम और सहयोग से एक होकर रह सकते हैं।

कवि का मुख्य संदेश है कि **एकता में ही शक्ति है**। हमें **भाईचारे और प्रेम** के साथ मिलकर देश की उन्नति के लिए काम करना चाहिए। यह विचार हमें सिखाता है कि **सभी लोग मिलकर ही देश को आगे बढ़ा सकते हैं**।

शिल्प-सौन्दर्य :

1) सहज, स्पष्ट और आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया गया है।
2) कविता में **रूपक अलंकार** का प्रयोग किया गया है।
3) कविता में **प्रेम** और **शांति** को महत्वपूर्ण उद्देश्य के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

29. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

क्या, होती है तुम्हारे भीतर धमस,
कटकर गिरता है जब कोई पेड़, धरती पर?
सुना है कभी,
रात के सन्नाटे में अंधेरे से मुँह ढाँप,
किस कदर रोती हैं नदियाँ?

उत्तर -

क्या, होती है.....रोती हैं नदियाँ?

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियाँ **'बूढ़ी पृथ्वी का दुख'** कविता से ली गई हैं, जिसकी लेखिका **निर्मला पुतुल** हैं। इन पंक्तियों के माध्यम से पेड़ों और नदियों के दुख को अभिव्यक्त किया है। यहाँ वे सभ्य कहे जाने वाले मनुष्य समाज से सवाल कर रही हैं, जो प्रकृति का विनाश करके भी संवेदनहीन बना रहता है।

व्याख्या : यहाँ लेखिका पूछती है कि क्या किसी मनुष्य के भीतर दर्द की लहर नहीं उठती जब धरती पर कोई पेड़ कटकर गिरता है? पेड़ केवल पेड़ नहीं, बल्कि जीवनदाता हैं। उनका गिरना मानो धरती का एक हिस्सा टूटकर गिरना है।

इसी प्रकार कवयित्री नदियों के दुख को सामने रखती है। वे कहती हैं कि रात के सन्नाटे में नदियाँ अपना मुँह अंधेरे में छिपाकर रोती हैं, क्योंकि मनुष्य उन्हें प्रदूषित कर रहा है, उनमें कचरा, गंदा पानी और अपशिष्ट डालकर उन्हें नाले में बदल रहा है। नदियाँ अपने जल से सबको जीवन देती हैं, लेकिन बदले में मनुष्य ने उन्हें केवल पीड़ा दी है। कवयित्री चाहती हैं कि हम पेड़ों और नदियों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझें और उनके संरक्षण की दिशा में संवेदनशील बनें।

विशेष :

1) बातचीत व प्रश्न शैली का प्रयोग किया गया है।
2) गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी में मानवीकरण का प्रयोग किया गया है।
3) भावों के अनुकूल भाषा-प्रयोग है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

पावस देखि रहीम मन, कोइल साधै मौन।
अब दादुर बक्ता भए, हमको पूछत कौन॥

उत्तर -

पावस देखि रहीम ..... पूछत कौन॥

प्रसंग : प्रस्तुत प्रसंग प्रसिद्ध कवि **"रहीम"** के दोहे से लिया गया हैं। यहाँ कवि ने जीवन की गहन सच्चाइयों और मानवीय स्वभाव को बड़ी सहजता से व्यक्त किया हैं। उन्होंने प्रकृति का सहारा लेकर ज्ञानी और अज्ञानी के व्यवहार का चित्रण किया है।

व्याख्या : कवि रहीम कहते हैं कि जब वर्षा ऋतु आती है तो कोयल मौन हो जाती है। वह सोचती है कि अब तो मेंढक (वक्ता) बोलने लगे हैं, शोर मचाने लगे हैं, तो हमारी कद्र कौन करेगा। इस उपमा के माध्यम से कवि यह समझाना चाहते हैं कि जब समाज में अज्ञानी और मूर्ख लोग बढ़-चढ़कर बातें करने लगते हैं और उनके शोर में सबकी आवाज़ दब जाती है, तब विद्वान लोग मौन धारण कर लेते हैं। उनका मौन स्थायी नहीं होता, बल्कि केवल उतने समय तक होता है, जब तक अनुचित शोर बना रहता है। जैसे ही अनुकूल समय आता है, विद्वान फिर से अपने ज्ञान और विचारों के माध्यम से समाज को मार्गदर्शन देता है।

विशेष :

1) सरल व सहज भाषा का प्रयोग किया गया है।
2) अन्योक्ति अलंकार का प्रयोग किया गया है।
3) यहाँ कोयल ज्ञानवान और विवेकी व्यक्ति का प्रतीक है और मेंढक अज्ञानी और शोर मचाने वाले व्यक्तियों के प्रतीक हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

30. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए-

(क) आज़ादी कविता के अनुसार 'बलिदानी को जीवन' का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'आज़ादी' कविता के अनुसार बलिदानी का जीवन वही है, जो देश, समाज और मानवता के हित में अपने सुख-दुःख और प्राण तक अर्पित कर देता है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में गाँव के तालाब का सुंदर चित्रण है। उसका वर्णन कीजिए।

उत्तर - 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि को नीले तालाब में उठती लहरियाँ दिखती हैं, जिनमें भूरे रंग की घास डोल रही है। साँझ के समय तालाब की सतह पर चमकता चाँद का प्रतिबिंब सौंदर्य बढ़ाता है।

(ग) आह्वान कविता के माध्यम से बताइए कि 'देश के प्रति आपके क्या कर्तव्य हैं?

उत्तर - 'आह्वान' कविता के अनुसार देश के प्रति हमारा कर्तव्य है- परिश्रम करना, संघर्षशील रहना, एकता बनाए रखना और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर देश के विकास में योगदान देना।

(घ) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार 'पहाड़ मौन समाधि लिए बैठा है'। इसका आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में "पहाड़ मौन समाधि लिए बैठा है" का अर्थ है कि पहाड़ शांत, स्थिर और तपस्वी-सा है, जिसे मनुष्य अपने स्वार्थ से नष्ट कर रहा है।

31. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए-

(क) किशोर ने बहादुर को क्या काम सौंपे?

उत्तर - किशोर ने अपने सभी काम बहादुर को सौंप दिए जैसे - जूतों में पालिश, साइकिल साफ़ करना, कपड़े धोना और इस्त्री करना। साथ ही रात में बहादुर से शरीर की मालिश और मुक्की करवाई जाती थी।

(ख) नाखून क्यों बढ़ते हैं? पाठ के अनुसार इंडिपेंडेंस का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - नाखून क्यों बढ़ते हैं? पाठ के अनुसार इंडिपेंडेंस शब्द का अर्थ है - किसी के अधीन न होना। लेखक बताते हैं कि इसका मतलब केवल स्वतंत्रता नहीं, बल्कि किसी भी प्रकार के नियंत्रण से पूर्ण मुक्ति है।

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में प्रजा की स्थिति का वर्णन किस प्रकार किया गया है?

उत्तर - 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में प्रजा को राजनीतिक चेतना से रहित, विलासिता में डूबी और अपने सामाजिक-राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति उदासीन बताया गया है, जिसके कारण वे अंग्रेज़ों के आक्रमण के प्रति निष्क्रिय रहते हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(घ) सुखी राजकुमार की मूर्ति हटवाने के क्या कारण थे?

उत्तर - राजकुमार की तलवार का लाल, आँखों के नीलम और शरीर का सोना उतर चुका था। मूर्ति शोभाहीन लगने लगी, इसलिए मेयर और नगरवासियों ने उसे हटाने का निर्णय लिया।

32. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) मूल्यवान वस्तुएँ सस्ती होने पर भी महंत ने अंधेर नगरी में रहने के लिए क्यों मना किया?

उत्तर - महंत ने अंधेर नगरी में इसलिए रहने से मना किया क्योंकि वहाँ की शासन, न्याय और व्यापार व्यवस्था अव्यवस्थित थी। राजा-प्रजा मूर्ख थे और हर वस्तु का मूल्य समान था।

(ख) 'सुखी राजकुमार' कहानी में ईश्वर और उसके देवदूत की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

उत्तर - 'सुखी राजकुमार' कहानी में, ईश्वर और देवदूत करुणा, त्याग और न्याय के प्रतीक हैं। राजकुमार और गौरैया की निस्वार्थ सेवा से प्रसन्न होकर ईश्वर उन्हें स्वर्ग में स्थान देता है।

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

उत्तर - 'शतरंज के खिलाड़ी' शीर्षक इसलिए सार्थक है क्योंकि यह पात्रों के शतरंज-प्रेम के साथ-साथ अवध के राजनीतिक पतन और शासक वर्ग की उदासीनता का प्रतीक बनकर सामने आता है।

33. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

सफलता और चरितार्थता में अंतर है। मनुष्य मारणास्त्रों के संचयन से, बाह्य उपकरणों के बाहुल्य से उस वस्तु को पा भी सकता है, जिसे उसने बड़े आड़म्बर के साथ सफलता का नाम दे रखा है। परंतु मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सब के मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है। नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अंध सहजात वृत्ति का परिणाम है जो उस के जीवन में सफलता ले आना चाहती है, उसको काट देना उस स्वनिर्धारित, आत्मबंधन का फल है, जो उसे चरितार्थता की ओर ले जाता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - पाठ का नाम - नाखून क्यों बढ़ते हैं।

लेखक का नाम - हजारी प्रसाद द्विवेदी।

(ख) मनुष्य की चरितार्थता किस-किस में है?

उत्तर - मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में, मैत्री में, त्याग में और सबके मंगल के लिए निःस्वार्थ भाव से अपने को देने में है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ग) मनुष्य अपनी सच्ची जीत कैसे सिद्ध करता है?

उत्तर - मनुष्य अपनी सच्ची जीत अपने स्वनिर्धारित आत्मबंधन के माध्यम से, नाखून काटने जैसे प्रतीकों द्वारा, अपने जीवन को चरितार्थता की ओर ले जाकर और दूसरों के लिए त्याग व सेवा करके सिद्ध करता है।

अथवा

उसके बाद ओले गिरे और फिर पाला पड़ने लगा। सड़कें चमकदार बर्फ से ढककर चाँदी की मालूम होने लगी। छज्जों से बड़े-बड़े बर्फ के टुकड़े लटकने लगे। सभी फ़र के ओवरकोट पहनकर निकलने लगे। बेचारी नन्हीं गौरैया ठंड से अकड़ने लगी; लेकिन वह उसे इतना प्यार करती थी कि उसे वह छोड़ नहीं सकती थी। अंत में उसे लगा की अब उसके दिन करीब हैं। अब उसके परों में केवल इतनी शक्ति शेष थी कि वह राजकुमार के कंधों तक एक बार उड़ सकती थी।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - पाठ का नाम - सुखी राजकुमार

लेखक का नाम - ऑस्कर वाइल्ड

(ख) गद्यांश में वर्णित प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर - गद्यांश में शीत ऋतु का सुंदर चित्रण है। ओले और पाले से सड़कें चाँदी जैसी चमकती हैं, बर्फ के टुकड़े लटकते हैं, और वातावरण ठंड और सौंदर्य से भरा है।

(ग) इस गद्यांश से गौरैया के चरित्र की किन विशेषताओं का पता चलता है?

उत्तर - गौरैया साहसी और धैर्यशील है। वह अपने प्रिय राजकुमार के प्रति स्नेही और प्रेमपूर्ण है। विपरीत परिस्थितियों में भी त्याग, समर्पण और वफादारी दिखाती है, अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना पूरी शक्ति से मदद करती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

34. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

बादशाह को लिए हुए सेना सामने से निकल गई। उनके जाते ही मिरज़ा ने फिर बाज़ी बिछा दी। हार की चोट बुरी होती है। **मीर** ने कहा - आइए नवाब साहब के मातम में एक मरसिया कह डालें। लेकिन, मिरज़ा की राजभक्ति अपनी हार के साथ लुप्त हो चुकी थी। वे हार का बदला चुकाने के लिए अधीर हो रहे थे। शाम हो गई। खंडहर में चमगादड़ों ने चीखना शुरू किया। अबाबीलें आ-आ कर अपने-अपने 'घोंसलों' में चिमटीं। पर दोनों खिलाड़ी डटे हुए थे।

उत्तर -

बादशाह को लिए हुए ..... खिलाड़ी डटे हुए थे।

- **प्रसंग :** प्रस्तुत अवतरण प्रसिद्ध लेखक **"मुंशी प्रेमचंद"** की कहानी **'शतरंज के खिलाड़ी'** से लिया गया है। इसमें नवाब वाजिद अली शाह के शासनकाल और लखनऊ की ऐयाशी भरी संस्कृति का चित्रण किया गया है।

- **व्याख्या :** इस अंश के माध्यम से लेखक ने उस समय का चित्रण है जब अंग्रेज़ी सेना लखनऊ के राजा वाजिद अली शाह को बंदी बनाकर ले जा रही थी। परंतु मीर और मिर्ज़ा अपने शतरंज के खेल में इतने व्यस्त थे कि न राजा की गिरफ़्तारी का उन्हें ग़म हुआ और न देश के बिगड़ते हालात की चिंता। मीर ने नवाब के मातम पर मरसिया कहने का सुझाव दिया, पर मिर्ज़ा को इससे कोई मतलब नहीं था। उनकी देशभक्ति और राजभक्ति उनकी बाज़ी की हार के साथ समाप्त हो चुकी थी। और वे केवल हार का बदला लेने के लिए बेचैन हो उठे। शाम हो चुकी थी, खंडहर में अंधेरा और उदासी फैल गई थी, फिर भी वे खेल में डटे रहे। लेखक यह बताना चाहते हैं कि जब समाज के जिम्मेदार लोग अपने कर्तव्यों से मुंह मोड़ लेते हैं और केवल व्यक्तिगत सुखों में लिप्त रहते हैं, तो राष्ट्र कमजोर और गुलाम हो जाता है।

- **विशेष :**

1. सरल और सहज भाषा का प्रयोग हुआ है।
2. **अरबी** भाषा के शब्द का प्रयोग किया गया है।
3. अमीर वर्ग की लापरवाही और देश के संकट के प्रति उदासीनता पर व्यंग्य किया गया है।

अथवा

किशोर तो जैसे उसकी जान के पीछे पड़ गया था। वह उदास रहने लगा और काम में लापरवाही करने लगा। एक दिन मैं दफ़्तर से विलंब से आया। निर्मला आँगन में चुपचाप सिर पर हाथ रखकर बैठी थी। अन्य लड़कों का पता नहीं था केवल लड़की अपनी माँ के पास खड़ी थी। अँगीठी अभी जली नहीं थी। आँगन गंदा पडा था। बर्तन बिना मले हुए रखे थे। सारा घर जैसे काट रहा था।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर -

किशोर तो जैसे ..... काट रहा था।

प्रसंग : प्रस्तुत अवतरण **'बहादुर'** पाठ से लिया गया है जिसके लेखक **"अमरकांत"** है। इस पंक्तियों में बहादुर पर किशोर और निर्मला द्वारा लगातार परेशान करने और डराने-धमकाने का असर दिखाया गया है।

व्याख्या : प्रस्तुत पंक्तियों में बहादुर पर चोरी का आरोप लगाने के बाद से किशोर तो उसकी जान के पीछे पड़ गया था और उसे परेशान करने लगा था, उसे निरंतर डाँट-फटकार सहनी पड़ रही थी, जिसके कारण वह उदास रहने लगता है और काम में लापरवाही करने लगता है।

एक दिन वाचक दफ्तर से देर से घर आया, तो देखा कि निर्मला आँगन में चुपचाप बैठी थी।, सिर पर हाथ रखकर अपने दुःख और चिंता को व्यक्त कर रही थी। घर में अन्य लड़कों का पता नहीं था और केवल लड़की अपनी माँ के पास खड़ी थी। अँगीठी भी अभी जली नहीं थी। घर का वातावरण बहुत ही उदास और अशांत था। आँगन गंदा पड़ा था और बर्तन बिना मले हुए रखे थे।

विशेष :

1. भाषा सरल और सहज है, परन्तु उसके माध्यम से गहरी नैतिक और सामाजिक बात कही गई है।
2. इस कहानी की भाषा पात्रों के व्यक्तित्व और उनके भावों के अनुकूल है।
3. बहादुर के अकेलेपन और पीड़ा को प्रभावशाली ढंग से दिखाया गया है।

35. निम्नलिखित गद्यांश का सार एक-तिहाई शब्दों में लिखिए -

'दैव-दैव आलसी पुकारा' उक्ति का अर्थ है कि आलसी व्यक्ति ही भाग्य की दुहाई देता है। वह भाग्य के भरोसे ही जीवन बिता देना चाहता है। सुख प्राप्त होने पर वह भाग्य की प्रशंसा करता है और दुख आने पर वह भाग्य को कोसता है। यह ठीक है कि भाग्य का भी हमारे जीवन में महत्व है, लेकिन आलसी बन कर बैठे रहना तथा असफलता प्राप्त होने पर भाग्य को दोष देना किसी प्रकार भी उचित नहीं। प्रयास और परिश्रम की महिमा सब जानते हैं। परिश्रम के बल पर मनुष्य भाग्य की रेखाओं को भी बदल सकता है। परिश्रम सफलता की कुंजी है। कहा भी है - यदि पुरुषार्थ मेरे दाएँ .हाथ में है तो विजय बाएँ हाथ में। परिश्रम से मिट्टी भी सोना उगलती है। आलसी और कामचोर व्यक्ति ही भाग्य के लेख पढ़ते हैं। कर्मठ व्यक्ति तो बाहुबल पर भरोसा करते हैं। परिश्रमी व्यक्ति स्वावलंबी, ईमानदार, सत्यवादी एव चरित्रवान होता है। आलसी व्यक्ति जीवन में कभी प्रगति नहीं कर सकता। आलस्य जीवन को जड़ बनाता है। आलसी परावलंबी होता है। इसलिए आलस छोड़कर परिश्रमी बनना चाहिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - "दैव-दैव आलसी पुकारा' का अर्थ है कि आलसी व्यक्ति ही बार-बार भाग्य का सहारा लेता है। वह बिना प्रयास किए केवल किस्मत के भरोसे जीवन बिताना चाहता है। सुख मिलने पर भाग्य की प्रशंसा करता है और दुख आने पर उसे दोष देता है। यह सत्य है कि भाग्य का महत्व है, परंतु सफलता के लिए पुरुषार्थ और परिश्रम अनिवार्य है। परिश्रम से मनुष्य भाग्य की रेखाओं को भी बदल सकता है और विजय प्राप्त कर सकता है। परिश्रमी व्यक्ति स्वावलंबी, ईमानदार और चरित्रवान बनता है, जबकि आलस्य जीवन को जड़ बनाकर प्रगति रोक देता है। इसलिए आलस त्यागकर कर्मठ और पुरुषार्थी बनना चाहिए।

36. आपके बड़े भाई द्वारा दिल्ली से आपको भेजा गया पार्सल लंबी अवधि के बाद भी प्राप्त नहीं हुआ है। स्थानीय रेलवे अधिकारियों को इसकी शिकायत करते हुए पत्र लिखिए।

उत्तर -

56 / 2, टी. नगर,

तमिलनाडु

दिनांक : 25 अगस्त, 2025

सेवा में

स्टेशन मास्टर

चेन्नई रेलवे स्टेशन, चेन्नई।

विषय : लंबी अवधि के बाद भी पार्सल प्राप्त न होने की शिकायत

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मेरे बड़े भाई रोहित वर्मा ने 5 मार्च 2025 को दिल्ली से मुझे एक पार्सल भेजा था, जिसका टिकट संख्या 123456789 है। परंतु आज तक वह पार्सल मुझे प्राप्त नहीं हुआ है। मैंने पार्सल की स्थिति जानने के लिए संबंधित कार्यालय में कई बार संपर्क किया, लेकिन कोई संतोषजनक जानकारी नहीं मिली।

कृपया मेरी शिकायत पर तुरंत ध्यान देते हुए मुझे पार्सल की वर्तमान स्थिति के बारे में सूचित करने की कृपा करें और यदि पार्सल कहीं रुका हुआ है तो उसे शीघ्र मेरे पते पर पहुँचाने की व्यवस्था करें।
आपकी सहायता के लिए मैं आपका आभारी रहूँगा।

भवदीया

राजेश कुमार

संपर्क नंबर : 9876543210

संलग्नक : (पार्सल बुकिंग रसीद की फोटोप्रति।)

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

अपनी अध्यापिका की अध्यापन शैली और व्यवहार की प्रशंसा करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

उत्तर -

123, राम नगर,

नई दिल्ली - 110018

दिनांक : 27 अगस्त 2025

प्रिय नताशा नमस्ते!

आशा करती हूँ कि तुम स्वस्थ और प्रसन्न होगे। आज मैं तुम्हें अपनी अध्यापिका के बारे में बताना चाहता/चाहती हूँ, जिनकी अध्यापन शैली और व्यवहार मुझे बहुत प्रेरित करते हैं।

हमारी हिंदी की अध्यापिका का नाम सोनी है। वे बहुत ही सरल और रोचक तरीके से पढ़ाती हैं। कठिन से कठिन पाठ को भी वे उदाहरणों और कहानियों के माध्यम से इतना आसान बना देती हैं कि सब छात्र-छात्राएँ उसे तुरंत समझ लेते हैं। उनकी कक्षा में कभी ऊब महसूस नहीं होती, क्योंकि वे हमेशा नए-नए तरीकों से पढ़ाती हैं।

उनका स्वभाव भी बहुत सौम्य और मिलनसार है। वे कभी किसी छात्र पर क्रोध नहीं करतीं, बल्कि धैर्यपूर्वक उसकी समस्या को समझती हैं और समाधान बताती हैं। सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना और उन्हें प्रोत्साहित करना उनकी सबसे बड़ी विशेषता है।

उनकी वजह से हमारी पढ़ाई में बहुत सुधार हुआ है और हम सभी उनके प्रिय शिष्य बन गए हैं। सच कहूँ तो वे हमारे लिए अध्यापिका ही नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और मित्र जैसी हैं। तुम भी अपनी अध्यापिका के बारे में लिखना, मुझे जानकर खुशी होगी।

तुम्हारी मित्र,

रेखा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

37. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए :

(क) साहित्य समाज का मार्गदर्शक

(ख) राष्ट्रोत्थान में शिक्षा की भूमिका

(ग) मेरी प्रिय पुस्तक

(घ) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

उत्तर -

साहित्य समाज का मार्गदर्शक

भूमिका : साहित्य को समाज का दर्पण कहा गया है। यह केवल मनुष्य का मनोरंजन ही नहीं करता, बल्कि उसके जीवन को दिशा भी देता है। किसी भी सभ्य समाज के निर्माण में साहित्य की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। यह अच्छे-बुरे का भेद कराता है और लोगों के मन में जागरूकता पैदा करता है।

विषय-वस्तु : साहित्य समाज के जीवन, संस्कृति और मूल्यों को प्रकट करता है। जब समाज अंधविश्वास, कुरीतियों और अन्याय में डूब जाता है, तब साहित्यकार अपनी रचनाओं के माध्यम से सुधार का मार्ग दिखाते हैं।

कबीरदास ने अपने दोहों द्वारा पाखंड का विरोध किया और भक्ति व समानता का संदेश दिया। तुलसीदास ने रामचरितमानस में आदर्श जीवन और नैतिकता का मार्ग बताया। प्रेमचंद ने किसानों, मजदूरों और दलितों की व्यथा को उजागर कर समाज को न्याय का संदेश दिया।

साहित्य मनुष्य के हृदय में दया, प्रेम, सहानुभूति और त्याग जैसे गुणों का विकास करता है। यह केवल विचार नहीं देता, बल्कि चरित्र निर्माण भी करता है। जिस समाज में साहित्य का सम्मान होता है, वहाँ नैतिक और सांस्कृतिक उन्नति होती है।

उपसंहार : अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि साहित्य समाज का सच्चा मार्गदर्शक है। यह लोगों को सही और गलत में भेद कराता है तथा जीवन के उच्च आदर्शों की ओर प्रेरित करता है। साहित्य के बिना समाज अंधकार में भटक सकता है, परंतु साहित्य के प्रकाश से वह निश्चित ही प्रगति और समृद्धि की ओर अग्रसर होता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड - अ

SET - B

1. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

(क) जड़मति से सुजान बनने की प्रक्रिया के लिए _____ व्यवहार के उदाहरण के लिए कवि वृंद ने 'सिल पर परत निसान' का प्रयोग किया है इसलिए यहाँ _____ अलंकार है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने _____ परिवेश से जुड़े प्रकृति-चित्रण को _____ अलंकार के माध्यम से बहुत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया है।

उत्तर -

(क) जड़मति से सुजान बनने की प्रक्रिया के लिए **दैनिक** व्यवहार के उदाहरण के लिए कवि वृंद ने 'सिल पर परत निसान' का प्रयोग किया है इसलिए यहाँ **दृष्टांत अलंकार** अलंकार है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने **ग्रामीण** परिवेश से जुड़े प्रकृति-चित्रण को **मानवीकरण** अलंकार के माध्यम से बहुत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया है।

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

2. आज़ादी और कर्तव्य अर्थात _____ के महत्व को जानकर ही शार्गिद के सारे भ्रम दूर हो जाते हैं।

उत्तर - आज़ादी और कर्तव्य अर्थात **श्रम** के महत्व को जानकर ही शार्गिद के सारे भ्रम दूर हो जाते हैं।

3. 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार पेड़, नदी, पहाड़, हवा आदि को मिलकर _____ बनता है।

(क) संसार

(ख) पर्यावरण

(ग) जंगल

(घ) शहर

उत्तर - (ख) पर्यावरण

4. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए-

(क) आह्वान कविता के कवि _____ लोगों को पौरुष का पाठ पढ़ने के लिए कहते हैं।

(ख) कबीर के अनुसार सोने जैसा तन पाकर उसमें अच्छाई का विकास करने की जगह उसे _____ बनाना किसी भी तरह प्रशंसा की बात नहीं हो सकती।

(ग) आज़ादी केवल _____ नहीं होती। इसके अनेक संदर्भ और अर्थ हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर -

(क) आह्वान कविता के कवि _आलसी_ लोगों को पौरुष का पाठ पढ़ने के लिए कहते हैं।

(ख) कबीर के अनुसार सोने जैसा तन पाकर उसमें अच्छाई का विकास करने की जगह उसे _बुराइयों का घर_ बनाना किसी भी तरह प्रशंसा की बात नहीं हो सकती।

(ग) आज़ादी केवल _राजनीतिक_ नहीं होती। इसके अनेक संदर्भ और अर्थ हैं।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।

(क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में उन बगुला भक्तों का जिक्र है, जो अवसर मिलते ही दूसरों की जान तक ले लेते हैं। वे _____ और _____ है।

(ख) 'आह्वान' कविता के अनुसार पश्चिम के लोग _____ के बल पर ही हर क्षेत्र में _____ कर सके हैं।

उत्तर -

(क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में उन बगुला भक्तों का जिक्र है, जो अवसर मिलते ही दूसरों की जान तक ले लेते हैं। वे _शोषक_ और _संवेदनशून्य_ है।

(ख) 'आह्वान' कविता के अनुसार पश्चिम के लोग _परिश्रम_ के बल पर ही हर क्षेत्र में _विकास_ कर सके हैं।

6. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

ऐसा दीप जलाओ, जिस से घर-घर में उजियार,
प्राण-प्राण में नव चेतनता, नव रस का संचार।
जन-मन में सोई कल्याणी,
शाश्वत शक्ति जगाओ,
अणु अणु को अनुप्राणित कर दे-
वह अनुरक्ति जगाओ;
द्वार-द्वार पर जाकर निर्मल,
प्रीत-संदेस सुना दो,
सब के स्वर समलय हो जाएँ,
ऐसा राग बजा दो;
सहज सुरीला स्वर संधानो, सुरभित सांस-सितार।
उसने अपनी सुपमा अनगिन रूपों में बाँटी है,
कोटि-कोटि दीपों में लेकिन एक वही माटी है,
अलग-अलग बाती हैं, लेकिन एक वही ज्वाला है,
सब अधरों पर प्यास एक है,
अपना-अपना प्याला;
कितने कृष्ण, गोपियाँ कितनी, एक हृदय का ज्वार!
गहन तिमिर को उज्वल किरणों के वारीणों से काटो,
मानव से मानव की दूरी, दिव्य प्रेम से पाटो;
विभ्रम, मौन, मलिन यदि कोई,
थका, खड़ा हो पथ में, उसको मंजिल
तक ले जाओ, अपने करुणा रथ में;
सबको आलिंगन में भर लो,

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(क) कवि जन-मन में कैसी शक्ति जगाना चाहता है?

(i) मानसिक **(ii) शारीरिक**

(iii) शाश्वत **(iv) सांसारिक**

उत्तर - (iii) शाश्वत

(ख) कवि कैसा राग बज वाना चाहता है?

(i) सब के स्वर एक लय के हो जाएँ **(ii) सब मिलकर नृत्य करने लगें**

(iii) सब अपनी-अपनी रागनी सुनाएँ **(iv) सब के स्वर पंचम में पहुँच जाएँ**

उत्तर - (i) सब के स्वर एक लय के हो जाएँ

(ग) दीप ने अपनी सुपमा कितने रूपों में बाँटी हैं?

(i) सैकड़ों **(ii) हज़ारों**

(iii) दसियों **(iv) अनगिन**

उत्तर - (iv) अनगिन

(घ) दीप की अलग-अलग बाती होते हुए भी एक क्या है?

(i) आन **(ii) ज्वाला**

(iii) शान **(iv) वान**

उत्तर - (ii) ज्वाला

7. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) एक हिंदी समाचार पत्र का नाम _____ हैं।

(ख) 'शतरज के खिलाड़ी' पाठ के अनुसार _____ जैसे विशाल देश के नवाब बंदी हो जाने पर भी लखनऊ ऐश की नींद में मस्त था।

उत्तर - (क) एक हिंदी समाचार पत्र का नाम **अमर उजाला** हैं।

(ख) 'शतरज के खिलाड़ी' पाठ के अनुसार **भारत** जैसे विशाल देश के नवाब बंदी हो जाने पर भी लखनऊ ऐश की नींद में मस्त था।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

8. नाखून क्यों बढ़ते है? पाठ के अनुसार कुछ लाख वर्ष पूर्व नाख़ून मनुष्य के लिए क्या थे?

(क) उपयोगी हथियार **(ख) सौंदर्य के प्रतीक**

(ग) मनुष्यता की पहचान **(घ) अनावश्यक अंग**

उत्तर - (क) उपयोगी हथियार

9. 'सुखी राजकुमार' कहानी के अनुसार मानवीय गुणों को मानवेतर प्राणियों द्वारा व्यक्त करने में है _____ ।

(क) चमत्कार **(ख) विषमता**

(ग) विसंगति **(घ) विडंबना**

उत्तर - (घ) विडंबना

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पा में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँट कर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

10. 'शतरंज के खिलाड़ी' पाठ के माध्यम से दिखाया गया हैं :

(क) अंग्रेज़ शासकों का पतन

(ख) भारतीय शासकों का पतन

(ग) शतरंज के खेल का महत्त्व

(घ) हारने वाले खिलाड़ी का द्वेष

उत्तर - (ख) भारतीय शासकों का पतन

11. आपके द्वारा माताजी को लिखा जाने वाला पत्र किस श्रेणी में आता है?

(क) औपचारिक **(ख) कार्यालयी**

(ग) व्यक्तिगत **(घ) प्रार्थना पत्र**

उत्तर - (ग) व्यक्तिगत

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

12. सार लेखन में अभिव्यक्ति की कसावट के लिए किसका प्रयोग किया जाता हैं?

(क) पर्यायवाची शब्द **(ख) विलोम शब्द**

(ग) अनेक शब्दों या वाक्यांशों के लिए एक शब्द **(घ) मुहावरों का**

उत्तर - (ग) अनेक शब्दों या वाक्यांशों के लिए एक शब्द

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

13. "अंधेर नगरी' नाटक में राजा की _____ और _____ को भी दिखाया गया है।

उत्तर - "अंधेर नगरी' नाटक में राजा की **_आत्मकेंद्रिकता_** और **_विवेकहीनता_** को भी दिखाया गया है।

14. इंट्रो के बाद समाचार थोड़े _____ से दिया जाता है। इसे ही समाचार का _____ कहते हैं।

उत्तर - इंट्रो के बाद समाचार थोड़े **_विस्तार_** से दिया जाता है। इसे ही समाचार का **_ब्यौरा_** कहते हैं।

15. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) बहादुर भागते-भागते भी अपने _____ होने का _____ दे जाता है।

(ख) शतरंज के खिलाड़ी पाठ के लेखक हैं _____।

उत्तर -

(क) बहादुर भागते-भागते भी अपने **_निर्दोष_** होने का **_सबूत_** दे जाता है।

(ख) शतरंज के खिलाड़ी पाठ के लेखक हैं **_प्रेमचंद_** ।

16. निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए -

(क) "बाहर नहीं, भीतर की ओर देखो, हिंसा को मन से दूर करो।"

उत्तर - गाँधी जी

(ख) "यहाँ बहुत सर्दी पड़ने लगी, लेकिन कोई बात नहीं, मैं आज तुम्हारा काम कर दूँगी।"

उत्तर - गौरैया

17. नीचे दिए गए कथनों को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही है या गलत।

(क) बहादुर कहानी के अनुसार माध्यवर्ग केवल रहन-सहन और खान-पान में ही दिखावा नहीं करता, भाषा के स्तर पर भी करता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) अंधेर नगरी नाटक में मंत्री राजा की चापलूसी नहीं करता है।

उत्तर -

(क) बहादुर कहानी के अनुसार माध्यवर्ग केवल रहन-सहन और खान-पान में ही दिखावा नहीं करता, भाषा के स्तर पर भी करता है। **(सही)**

(ख) अंधेर नगरी नाटक में मंत्री राजा की चापलूसी नहीं करता है। **(गलत)**

18. भावात्मक निबंधों में _____ की तीव्रता होने के कारण एक प्रकार की आत्मीयता और _____ रहता है।

(क) भाव, अपनापन

(ख) चिंता, प्यार

(ग) भाव, मित्रता

(घ) चिंता, अपनापन

उत्तर - (क) भाव, अपनापन

19. नीचे दिए गए पाठों और पात्रों के सही युग्म चुनिए और उन्हें अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए -

पाठ का नाम	**पात्र का नाम**
बहादर	**मेयर**
सुखी राजकुमार	**निर्मला**

उत्तर - पाठ का नाम	**पात्र का नाम**
बहादर	निर्मला
सुखी राजकुमार	मेयर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

20. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढिए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

परिवर्तन प्रकृति का नियम है और परिवर्तन हीं अटल सत्य है। अतः पर्यावरण में भी परिवर्तन हो रहा है। लेकिन वर्तमान समय में चिंता की बात यह है कि जो पर्यावरणीय परिवर्तन पहले एक शताब्दी में होते थे, अब उतने ही परिवर्तन एक दशक में होने लगे हैं। पर्यावरण परिवर्तन की इस तेजी का कारण है - विस्फोटक ढंग से बढ़ती आबादी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी उन्नति और प्रयोग तथा सभ्यता का विकास, ओजोन की परत की कमी और विश्व के तापमान में वृद्धि। 19 वी शताब्दी के अंतिम दशकों में सुपरसोनिक वायुयानों का आविष्कार हुआ और वे ऊपरी आकाश में उड़ाए जाने लगे। उन वायुयानों के द्वारा निष्कासित पदार्थों में उपस्थित नाइट्रिक ऑक्साइड के द्वारा ओज़ोन परत का क्षय महसूस किया गया। यह ओजोन परत वायुमंडल के समताप मंडल या बाहरी घेरे में होती है। शोध द्वारा यह भी पता चला कि वायुमंडल की ओजोन परत पर क्लोरो-फ्लोरो कार्बन प्रशीतक पदार्थ, नाभिकीय बिस्फोट इत्यादि का भी दुष्प्रभाव पड़ता है। इन रासायनिक गैसों द्वारा ओजोन की परत की हो रही कमी को ब्रिटिश वैज्ञानिकों द्वारा 1978 में गुब्बारों और रॉकेटों की मदद से अध्ययन किया गया। नवीनतम जानकारी के अनुसार अंटार्कटिका क्षेत्र के ऊपर ओजान परत में बड़ा छिद्रा पाया गया है। जिससे हो सकता है कि सूर्य की घातक विकिरण पृथ्वी पर पहुँच रही हो और पृथ्वी की सतह गरम हो रही हो।

(क) प्रकृति का नियम क्या है?

(i) पर्यावरण

(ii) विकास

(iii) परिवर्तन

(iv) तकनीक

उत्तर - (iii) परिवर्तन

(ख) ओज़ोन परत के क्षय होने का क्या कारण है?

(i) सुपरसोनिक वायुयान

(ii) नाइट्रिक ऑक्साइड

(iii) क्लोरो-फ्लोरोकार्बन

(iv) गुब्बारे और रॉकेट

उत्तर - (ii) नाइट्रिक ऑक्साइड

(ग) ध्रुवीय चक्रवात किसको अपनी ओर खींचते हैं?

(i) तापमान को

(ii) पर्यावरण को

(iii) क्लोरो-फ्लोरो के अणुओं को

(iv) पराबैंगनी किरणों को

उत्तर - (iii) क्लोरो-फ्लोरो के अणुओं को

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(घ) 1978 के अध्ययन के बाद कहाँ पर ओज़ोन परत में छिद्र था?

(i) महासागर के ऊपर **(ii) अंटार्कटिका में**

(iii) दक्षिण गंगोत्री में **(iv) आकाश गंगा में**

उत्तर - (ii) अंटार्कटिका में

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

21. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

(i) निम्न में से कौन सा शब्द तत्सम नहीं है - विवाह, शाक, मुखिया, जनता

(ii) अनशन, पुस्तक, दंड, साँस में से तद्भव शब्द है _____ ।

उत्तर - (i) मुखिया

(ii) साँस

22. 'आँखें फेर लेना' मुहावरे का अर्थ है -

(i) आँखे दिखाना **(ii) आँखे खुलना**

(iii) व्यवहार में बदलाव आना **(iv) आँख बंद कर लेना**

उत्तर - (iii) व्यवहार में बदलाव आना

23. अव्यवी भाव समास के लिए सही समस्त पद चुनिए -

(i) प्रतिदिन **(ii) चंद्रमुख**

(iii) सौदागर **(iv) रामाश्रय**

उत्तर - (i) प्रतिदिन

24. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है -

(i) शीला ने आज चलचित्र देखा होगा। **(ii) देखा होगा शीला से आज चलचित्र।**

(iii) चलचित्र ने शीला आज देखा होगा। **(iv) होगा आज देखा शोला ने चलचित्र।**

उत्तर - (i) शीला ने आज चलचित्र देखा होगा।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

25. शिल्पकार मूर्तियाँ तो बनाता है किंतु उनका उचित लाभ नहीं उठा पाता।

यह _____ वक्य है -

(i) संयुक्त

(iii) मिश्र

(ii) सरल

(iv) प्रश्नवाचक

उत्तर - (i) संयुक्त

26. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

(i) महोदय का संधि-विच्छेद _____ हैं।

(ii) स्वागत का संधि-विच्छोद _____ हैं।

उत्तर -

(i) महोदय का संधि-विच्छेद **_महा + उदय_** हैं।

(ii) स्वागत का संधि-विच्छोद **_सु + आगत_** हैं।

27. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

(i) उपमान शब्द में _____ उपसर्ग हैं।

(ii) उष्णता शब्द में _____ प्रत्यय हैं।

उत्तर -

(i) उपमान शब्द में **_'उप'_** उपसर्ग हैं।

(ii) उष्णता शब्द में **_'ता'_** प्रत्यय हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड 'ब'

28. निम्नलिखित प्रश्न में से किन्ही तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) कबीर के अनुसार गुरु-शिष्य के बीच किस प्रकार का संबंध होता है?

उत्तर - कबीर के अनुसार गुरु-शिष्य का संबंध आत्मिक होता है। गुरु भगवान से भी ऊपर है, क्योंकि वही शिष्य को ईश्वर की पहचान कराता है और मार्ग दिखाता है।

"गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बताए॥"

इस दोहे में, कबीर कहते हैं कि अगर गुरु और भगवान दोनों सामने खड़े हों, तो पहले गुरु के चरण छूने चाहिए, क्योंकि गुरु ने ही हमें भगवान तक पहुँचने का रास्ता दिखाया है।

(ख) आह्वान कविता के अनुसार देश के प्रति हमारे भी कुछ कर्त्तव्य है। उनका उल्लेख कीजिए।

उत्तर - 'आह्वान' कविता के अनुसार, देश के प्रति हमारे कुछ महत्वपूर्ण कर्तव्य हैं। हमें अपने देश के लिए समर्पित रहना चाहिए और हर समय उसके हित में काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। देश की रक्षा करना और उसकी सुरक्षा के लिए प्रयास करना हमारा कर्तव्य है।

(ग) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता के अनुसार बगुला समाज के किस वर्ग का प्रतीक है और किन विशेषताओं को रेखांकित करता है?

उत्तर - 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में बगुला समाज के ढोंगी और कपटी वर्ग का प्रतीक है। यह उन लोगों को दर्शाता है जो बाहर से धार्मिक या शांत दिखते हैं, लेकिन भीतर से स्वार्थी और शोषक होते हैं। बगुला पानी में ध्यानस्थ मुद्रा में खड़ा रहता है, पर जैसे ही मछली दिखती है, तुरंत झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेता है। यह आचरण उन लोगों की ओर संकेत करता है जो दिखावे के पीछे अपने स्वार्थ साधते हैं।

(घ) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार पानी के प्रदूषण के प्रमुख कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर - 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार पानी के प्रदूषण के प्रमुख कारण :

1) नदियों में कूड़ा-कचरा और गंदगी डालना
2) कपड़े और मवेशियों को नदियों में धोना
3) धार्मिक अनुष्ठानों में दूषित वस्तुओं का उपयोग
4) मृत जीवों का जल में विसर्जन

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

29. निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए -

ऊँचे कुल का जनमिया, करनी ऊँच न होइ।
सुबरन कलस सुरा भरा, साधू निंदै सोइ॥

उत्तर -

भाव-सौन्दर्य : यह दोहा (साखी) संत कबीर की प्रसिद्ध रचनाओं में से है, जो व्यक्ति के कर्म और आचरण को ही असली पहचान मानते हैं। कबीर कहते हैं कि केवल ऊँचे कुल में जन्म लेना किसी की महानता का प्रमाण नहीं होता, जब तक उसके कर्म अच्छे न हों। उदाहरण के रूप में, यदि सोने के कलश में शराब भरी हो, तो वह किसी सज्जन को शोभा नहीं देता- उसी प्रकार बुरे कर्मों वाला व्यक्ति चाहे जितना भी उच्च वंश का हो, आदरणीय नहीं बनता।

शिल्प-सौन्दर्य :

1) **कवि -** कबीर
2) सहज, सरल और जनभाषा में रचित, जिससे हर वर्ग समझ सके।
3) दोहा जीवन-नीति और व्यवहार की सच्चाई को उजागर करता है।

अथवा

दर्ज़ी ने जवाब दिया :
"आज़ादी का मतलब है - भूखे को खाना, प्यासे को पानी
ठंड से ठिठुरते को ऊनी कपड़ा और थके-माँदें को बिस्तर"।

उत्तर -

भाव-सौन्दर्य : यह पंक्तियाँ आम जन की व्यथा और उनकी वास्तविक आवश्यकताओं को दर्शाती हैं। दर्ज़ी जैसे मेहनतकश व्यक्ति के दृष्टिकोण से आज़ादी का अर्थ केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि जीवन की बुनियादी जरूरतों की पूर्ति है- रोटी, पानी, कपड़ा और विश्राम।

शिल्प-सौन्दर्य-

1) **कवि -** मूल कवि बालचंद्रन चुल्लिक्काड और हिन्दी अनुवादक असद ज़ैदी
2) **कविता का नाम -** आजादी
3) सहज, स्पष्ट और आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

30. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

थोड़ा-सा वक्त चुरा कर बतियाया है कभी
कभी शिकायत न करने वाली
गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी से उसका दुख?
अगर नहीं, तो क्षमा करना !
मुझे तुम्हारे आदमी होने पर संदेह है !!

उत्तर -

थोड़ा-सा वक्त ..... पर संदेह है !!

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियों को **'बूढ़ी पृथ्वी का दुख'** कविता से लिया गया हैं, जिसकी लेखिका **"निर्मला पुतुल"** हैं। इन पंक्तियों में कवयित्री ने पृथ्वी को बूढ़ी औरत के रूप में प्रस्तुत करते हुए उसके दुख को प्रकट किया है। साथ ही मनुष्य होने का वास्तविक अर्थ भी बताया है।

व्याख्या : कवयित्री ने इस अंश में पृथ्वी को एक बूढ़ी माँ के रूप में चित्रित किया है, जो शिकायत तो नहीं करती, लेकिन भीतर-भीतर गहरे दुख सहती है। यह दुख मनुष्य की स्वार्थपरता और उपभोक्तावादी प्रवृत्ति से पैदा हुआ है। आज मनुष्य केवल सुविधाएँ और भौतिक लाभ पाने की दौड़ में है। मानवीय मूल्य और ज़िम्मेदारियाँ पीछे छूट गई हैं। जैसे संतानें अपने बुजुर्ग माता-पिता की उपेक्षा करती हैं, वैसे ही मनुष्य ने धरती की उपेक्षा की है।

कवयित्री कहती है कि यदि तुमने यह सब नहीं किया, तो क्षमा करना, मुझे तुम्हारे आदमी होने पर संदेह है! ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि मनुष्य से ही आशा की जाती है कि वह पृथ्वी का दुख समझे।

विशेष-

- बातचीत व प्रश्न शैली का प्रयोग किया गया हैं।
- गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी में मानवीकरण का प्रयोग किया गया है।
- भावों के अनुकूल भाषा-प्रयोग है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

और पैरों के तले है एक पोखर,
उठ रहीं इसमें लहरियाँ,
नील तल में तो उगी है घास भूरी,
ले रही वह भी लहरियाँ।
एक चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा,
आँख को है चकमकाता।

उत्तर -

और पैरों के तले ..... को है चकमकाता।

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियों को **'चंद्रगहना से लौटती बेर'** कविता से लिया गया हैं, जिसके रचयिता **"केदारनाथ अग्रवाल"** हैं। यह काव्य 'फूल नहीं, रंग बोलते है' संग्रह में सम्मिलित हैं। इसमें पोखर के दृश्य का चित्रण किया गया है।

व्याख्या : कवि को एक तालाब दिखाई दे रहा है, जिसमें छोटी-छोटी लहरें उठ रही हैं। तालाब का तल नीला है, लेकिन उसमें भूरे रंग की घास भी उगी है, जो लहरों के साथ हिल रही है। साँझ (संध्याकाल) का समय है और तालाब की सतह पर चाँद का प्रतिबिंब चमक रहा है। कवि ने चाँद को 'एक चाँदी का बड़ा गोल खंभा' कहा है। चाँद को खंभा जैसा दिखने का कारण यह है कि हिलते पानी में चाँद का प्रतिबिंब लंबा और खंभा जैसा दिखता है, जबकि शांत पानी में वह केवल एक गोल आकार का लगता है। लहरों वाले तालाब में किरणों के फिसलने से उसमें लंबाई प्रतीत होती है। इसलिए कवि को चाँद बड़ा और गोल खंभा जैसा महसूस होता है। यह कवि की सूक्ष्म दृष्टि और कल्पना का उदाहरण है।

विशेष-

- सरल-सहज शब्दों का प्रयोग किया गया हैं।
- काव्य में प्रकृति-सौंदर्य तथा ग्रामीण परिवेश के मोहक वातावरण को चित्रित किया गया हैं।
- काव्य में मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किया गया हैं।

31. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

मिरज़ा घर से निकले, तो हकीम के घर जाने के बदले मीर साहब के घर पहुँचे और सारा वृत्तांत कहा। मीर साहब बोले - मैंने तो जब मुहरे बाहर आते देखे, तभी ताड़ गया। फौरन भागा। बड़ी गुस्सेवर मालूम होती है। मगर आपने उन्हे यों सिर चढ़ा रखा है, यह मुनासिब नहीं। उन्हें इससे क्या मतलब कि आप बाहर क्या करते हैं। घर का इंतज़ाम करना उनका काम है, दूसरी बातों से उन्हें क्या सरोकार?

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर -

मिरज़ा घर से निकले.....क्या सरोकार?

प्रसंग : प्रस्तुत अवतरण **मुंशी प्रेमचंद** की प्रसिद्ध कहानी **'शतरंज के खिलाड़ी'** से लिया गया है। इसमें मिरज़ा साहब पत्नी से झगड़कर मीर साहब के पास शतरंज खेलने और हाल बताने आते हैं, लेकिन उनकी पत्नी ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया।

व्याख्या : प्रस्तुत पंक्तियों में मीर साहब मिरज़ा साहब को उनकी पत्नी के गुस्से और उनके प्रति बढ़ते अधिकार भाव के बारे में टिप्पणी करते हैं। मीर साहब कहते हैं कि जब उन्होंने मिरज़ा साहब की बीवी को घर से बाहर आते देखा, तभी समझ गए कि कुछ अनहोनी हो गई है, इसलिए वे तुरंत वहां से भाग निकले। वे मिरज़ा की पत्नी को 'गुस्सेवर' बताते हैं और मिरज़ा साहब को यह समझाते हैं कि उन्होंने अपनी पत्नी को बहुत अधिक छूट दे दी है, जो ठीक नहीं है।

मीर साहब का मानना है कि पत्नी का कार्य केवल घर का प्रबंध करना है, पति के बाहरी कार्यों में उसे दखल नहीं देना चाहिए। यह उस समय की सामाजिक सोच को दर्शाता है, जहाँ पुरुष प्रधान समाज में स्त्री को केवल घर की सीमाओं तक सीमित माना जाता था और उसका पति के निजी जीवन में हस्तक्षेप करना अनुचित समझा जाता था। यह संवाद दोनों मित्रों के आपसी संबंध, उनके शतरंज के प्रति लगाव, और पारिवारिक जिम्मेदारियों के प्रति उदासीनता को भी दिखाता है।

विशेष-

1) सहज और सरल भाषा का प्रयोग किया गया है।
2) मीर साहब की बातें पुरुष वर्चस्व और स्त्रियों की अवहेलना का प्रतीक हैं।
3) फ़ारसी और अरबी शब्दों का प्रयोग किया गया है जैसे - मुनासिब, हकीम, इंतज़ाम आदि।

अथवा

बरसात बीत गई थी। आकाश दर्पण की तरह स्वच्छ दिखाई देता। मैंने बहादुर की माँ के पास चिट्ठी लिखी थी कि उसका लड़का मेरे पास मज़े में है और मैं उसकी तनखाह के पैसे उसके पास भेज दिया करूँगा, लेकिन कई महीने के बाद भी उधर से कोई जवाब नहीं आया था। मैंने बहादुर से कह दिया था कि उसका पैसा जमा रहेगा, जब घर जाएगा, तो लेता जाएगा।

उत्तर -

बरसात बीत गई थी ..... जाएगा, तो लेता जाएगा।

प्रसंग : प्रस्तुत अवतरण **'बहादुर'** पाठ से लिया गया है जिसके लेखक **"अमरकांत"** है। बहादुर एक ऐसे किशोर की कहानी है, जो अपने घर से भागकर शहर आता है। वहाँ एक घर में नौकरी करने लगता है। इस पंक्तियों में लेखक अपने नौकर बहादुर की स्थिति और उसके पारिवारिक संबंधों की बात करता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

व्याख्या : प्रस्तुत पंक्तियों में लेखक की संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को दर्शाता है। वह अपने नौकर बहादुर की चिंता करता है, उसकी पारिवारिक स्थिति को समझता है और यह सुनिश्चित करता है कि उसकी मेहनत की कमाई सुरक्षित रहे। लेखक ने बहादुर की माँ के पास चिट्ठी लिखी थी कि उसका लड़का मेरे पास मज़े में है और मैं उसकी तनखाह के पैसे उसके पास भेज दिया करूँगा, लेकिन कई महीने के बाद भी उधर से कोई जवाब नहीं आया था। इससे लेखक निराश नहीं होता, बल्कि बहादुर को आश्वस्त करता है कि उसका पैसा सुरक्षित रहेगा और जब वह घर जाएगा, तब ले जाएगा।

यह दृश्य उस सामाजिक व्यवस्था की ओर भी इशारा करता है जहाँ कामकाजी वर्ग, विशेषकर घरेलू नौकरों के प्रति अक्सर उदासीनता बरती जाती है। लेकिन लेखक का दृष्टिकोण इससे बिल्कुल विपरीत है वह सहानुभूति, विश्वास और ज़िम्मेदारी से भरा हुआ है। साथ ही, "आकाश दर्पण की तरह स्वच्छ दिखाई देता" यह पंक्ति लेखक की मनःस्थिति का भी प्रतीक है- वह निश्चल, शांत और ईमानदार है।

विशेष-

1) भाषा सरल और सहज है, परन्तु उसके माध्यम से गहरी नैतिक और सामाजिक बात कही गई है।
2) इस कहानी की भाषा में व्यंग्यात्मकता है।
3) इस कहानी की भाषा पात्रों के व्यक्तित्व और उनके भावों के अनुकूल है।

32. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) बहादुर के स्वाभिमान का संकेत कब मिलता है?

उत्तर - बहादुर के स्वाभिमान का संकेत हमें तब चलता है, जब किशोर द्वारा पिटाई को तो वह सहन कर लेता है, लेकिन 'सूअर का बच्चा' कहने पर बहादुर काम करने से मना कर देता है। कोई उसके पिता को गाली दे, यह उससे सहन नहीं होता।

(ख) 'सुखी राजकुमार' कहानी के अनुसार गौरैया का आरंभिक व्यवहार कैसा था?

उत्तर - 'सुखी राजकुमार' कहानी के अनुसार गौरैया का आरंभिक व्यवहार नकचढ़ी, आत्मकेंद्रित और अभिमानी था। वह जब पहली बार शहर में आती है, तो उसे यह उम्मीद होती है कि पूरा शहर उसका भव्य स्वागत करेगा। उसका पहला संवाद ही उसके घमंड को दर्शाता है - "मैं समझ रही थी कि यह शहर मेरा स्वागत करेगा।" जब राजकुमार बीमार बच्चे के लिए मदद मांगता है, तो वह मना कर देती है और कहती है कि उसे बच्चों से कोई स्नेह नहीं है।

(ग) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' पाठ के अनुसार मनुष्य पशु से भिन्न कैसे है?

उत्तर - 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' पाठ के अनुसार, मनुष्य पशु से इसलिए भिन्न है क्योंकि मनुष्य में बुद्धि, संवेदना और सोचने-समझने की शक्ति होती है, जो उसे पशुओं से अलग बनाती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(घ) अंधेर नगरी के नाटककार ने बाज़ार में सामान बेचनेवालों के संवादों से कौन से दो काम एक साथ किए हैं?

उत्तर - अंधेर नगरी के लेखक भारतेंदु हरिश्चंद्र ने बाजार में सामान बेचने वालों के संवादों से दो बातें एक साथ दिखाईं हैं:

1) अराजकता और गड़बड़ी का दिखाना : इस नगरी में लोग अपने धर्म, जाति और ज्ञान तक को बेचने को तैयार हैं। इससे पता चलता है कि वहां सब कुछ गड़बड़ है और किसी चीज की कोई सही कीमत या महत्व नहीं है।

2) हास्य व व्यंग्य : लेखक ने मजाक और व्यंग्य के ज़रिए यह दिखाया कि उस शहर में सब कुछ पैसों के लिए होता है। उदाहरण के लिए,

- चूरन बेचने वाला पाचनवाला पुलिस और अधिकारियों के भ्रष्टाचार पर व्यंग्य करता है, जो रिश्वत लेकर कानूनों को पचा जाते हैं।
- **"टके के वास्ते ब्राह्मण से धोबी हो जाँय और धोबी को ब्राह्मण कर दें।"**

यानी वहाँ लोग पैसे के लिए अपनी पहचान तक बदल लेते हैं।

33. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) नाखून क्यों बढ़ते है? पाठ के लेखक क्या सुखद कल्पना करते हैं?

उत्तर - नाखून क्यों बढ़ते है? पाठ के लेखक सुखद कल्पना करते हैं कि एक दिन मनुष्य अपनी पाशविक वृत्ति (जानवरों जैसी प्रवृत्ति) को त्याग देगा और अपनी सभी बुराइयों से मुक्त हो जाएगा।

(ख) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के लेखक क्या संदेश देना चाहते हैं?

उत्तर - 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में भी स्वाधीनता-आंदोलन में लगे नेताओं और उनके पीछे चलने वाली जनता को मुंशी प्रेमचंद यह संदेश देते हैं कि देश और स्वाधीनता के हित में हमें आराम तथा विलास को छोड़ देना चाहिए और अपनी ज़िम्मेदारियों को निभाना चाहिए।

(ग) समाचार के विभिन्न अंगों के नाम लिखिए। आप किस अंग को सबसे महत्वपूर्ण मानती हैं?

उत्तर - समाचार के विभिन्न अंग इस प्रकार है-

हिन्दुस्तान
पटना में जाम निगल रहा रोजाना 7.80 करोड़ रुपये
सोहेल अपहरण में एक गिरफ्तार
राजधानी के टीटीई ने की छेड़खानी

1) मेन हेडिंग
2) सब हेडिंग
3) बाई लाइन
4) समाचार स्रोत
5) इन्ट्रो
6) ब्यौरा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

सबसे महत्वपूर्ण अंग : मैं इन्ट्रो (लीड) को सबसे महत्वपूर्ण अंग मानती हूँ, क्योंकि इसी में खबर का सार होता है। पाठक यही पढ़कर यह तय करता है कि उसे पूरी खबर पढ़नी है या नहीं। यह अंग खबर की तात्कालिकता और महत्व को दर्शाता है।

34. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

गौरैया ने राजकुमार की तलवार की मूठ से लाल निकाला और उसे अपनी चोंच में दबाकर उड़ चली। उड़ते वक्त वह गिरजाघर के शिखर के पास से गुजरी, जहाँ श्वेत संगमरमर से देवदूतों की मूर्तियाँ बनी थी। वह उच्च प्रसाद के समीप से गुज़री और उसने नाच की आवाज़ सुनी। छज्जे पर एक सुंदर किशोरी अपने प्रेमी के कंधे पर हाथ रक्खे हुए आई। "आह! तारे कितने सुंदर है, प्रेम की शक्ति भी कितनी अद्‌भुत है," उसने भावोन्मेष में कहा, मैं समझती हूँ कि अगले नृत्य के लिए मेरे वस्त्र तैयार हो जाएँगे। मैंने उनपर फूल कढ़वाने की आज्ञा दी है। मगर ये लोग देर कितनी लगाते हैं।"

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - उपर्युक्त गद्यांश "सुखी राजकुमार" नामक कहानी से लिया गया है, जिसके लेखक ऑस्कर वाइल्ड हैं।

(ख) गौरैया को उड़ते वक्त क्या-क्या दिखाई दिया?

उत्तर - गौरैया जब उड़ रही थी, तो उसे गिरजाघर के शिखर के पास श्वेत संगमरमर से बनी देवदूतों की मूर्तियाँ दिखाई दीं। वह उच्च प्रसाद (राजमहल) के समीप से गुज़री, जहाँ से नृत्य की आवाज़ सुनाई दी।

(ग) किशोरी कौन थी? उसका आखिरी कथन क्या अभिव्यक्त करता है?

उत्तर - किशोरी एक सुंदर युवती थी जो अपने प्रेमी के साथ छज्जे पर आई थी। उसका आखिरी कथन "मैं समझती हूँ कि अगले नृत्य के लिए मेरे वस्त्र तैयार हो जाएँगे। मैंने उन पर फूल कढ़वाने की आज्ञा दी है। मगर ये लोग देर कितनी लगाते हैं।

अथवा

प्यादा-1 - इसमें दो बातें हैं - एक तो नगर-भर में राजा के न्याय के डर से कोई मुटाता ही नहीं, दूसरे और किसी को पकड़े, तो वह न जाने क्या बात बनाए और फिर इस राज में साधू-महात्मा इन्हीं लोगों की तो दुर्दशा है, इसमें तुम्ही को फाँसी देंगे।

दुहाई, परमेश्वर की, अरे मैं नाहक मारा जाता हूँ। अरे यहाँ बड़ा ही अंधेर है, अरे गुरु जी महाराज का कहाँ मैंने न माना, उसका फल मुझको भोगना पड़ा।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - पाठ का नाम : अंधेर नगरी

लेखक का नाम : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) नाटक के इस अंश में किस व्यवस्था पर व्यंग्य किया गया है?

उत्तर - इस अंश में राज्य की न्याय व्यवस्था पर करारा व्यंग्य किया गया है।

- राजा के न्याय का कोई तर्क या आधार नहीं है।
- असली अपराधियों को छोड़कर निर्दोषों को सज़ा दी जाती है।
- साधु-संत जैसे सज्जन और धार्मिक लोग भी इस अंधे न्याय के शिकार हो जाते हैं।
- न्याय का भय ऐसा है कि लोग सच बोलने या अपनी बात रखने से डरते हैं।

(ग) इस गद्यांश की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

उत्तर - इस गद्यांश की भाषा-शैली निम्न है-

- आम बोलचाल की खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है।
- शब्द जैसे "दुहाई", "नाहक", "अरे", "गुरुजी महाराज", जन-सामान्य की भाषा को दर्शाते हैं।
- समाज और शासन की विडंबनाओं को व्यंग्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

35. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में एक निबंध लिखिए -

(क) बाल मजदूरी - समस्या और समाधान

(ख) भारत की वैज्ञानिक प्रगति

(ग) लड़का - लड़की एक समान

(घ) परिश्रम सफलता का मूल है।

उत्तर -

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(घ) परिश्रम सफलता का मूल है।

भूमिका

मनुष्य के जीवन में परिश्रम का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। यह कहावत बिल्कुल सत्य है कि "परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।" कोई भी व्यक्ति जन्म से महान नहीं होता, वह अपने सतत प्रयास, कठिन परिश्रम और लगन के बल पर ही महान बनता है। सपने देखना आसान होता है, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करना ही असली सफलता की राह है।

विषयवस्तु

प्रकृति भी हमें परिश्रम का पाठ पढ़ाती है। सूरज रोज़ बिना थके उगता है, नदियाँ लगातार बहती रहती हैं और चींटी भी धीरे-धीरे चलते हुए अपने लक्ष्य तक पहुँच जाती है। यही परिश्रम का जादू है।

परिश्रम वह साधन है जो असंभव को भी संभव बना देता है। दुनिया के सभी महान व्यक्ति जैसे महात्मा गांधी, अब्दुल कलाम, सचिन तेंदुलकर या स्वामी विवेकानंद - ये सभी कठिन परिश्रम के उदाहरण हैं। इन्होंने अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन कभी हार नहीं मानी।

विद्यार्थियों के जीवन में परिश्रम का विशेष महत्व होता है। जो छात्र ईमानदारी से पढ़ाई करते हैं, समय का सही उपयोग करते हैं, वही परीक्षा में अच्छे अंक लाते हैं और जीवन में सफल होते हैं। आलसी व्यक्ति चाहे कितना भी बुद्धिमान क्यों न हो, वह बिना मेहनत के आगे नहीं बढ़ सकता।

परिश्रम केवल शारीरिक नहीं, मानसिक भी होता है। कठिन समय में धैर्य और सकारात्मक सोच भी मेहनत का हिस्सा है। निरंतर प्रयास ही व्यक्ति को मंज़िल तक पहुँचाता है।

उपसंहार

अतः यह स्पष्ट है कि परिश्रम ही सफलता का मूल मंत्र है। अगर हम मेहनत करते रहेंगे और कभी हार नहीं मानेंगे, तो एक दिन सफलता अवश्य मिलेगी। इसलिए हमें हमेशा ईमानदारी से मेहनत करनी चाहिए और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए। यही जीवन की सच्ची सफलता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

36. निम्नलिखित गद्यांश का सार एक-तिहाई शब्दों में लिखिए-

जीवन में अनेक दुःख मनुष्य स्वयं मोल लेता है। इन दुखो का कारण उसके चरित्र में छिपी दुर्बलता होती है। अपव्यय की आदत भी एक ऐसी ही दुर्बलता है। जीवन में सुखी बनने के लिए अपनी आय एवं व्यय के बीच संतुलन रखना अत्यंत आवश्यक है। अपनी इच्छाओं पर अंकुश रखे बिना मनुष्य जीवन में सफल नहीं हो सकता। आय के अनुसार व्यय की आदत डालना जीवन में सयंम, व्यवस्था एवं स्वावलंबन जैसे गुण लाती है। आय के अनुरूप खर्च करना किसी प्रकार से भी कंजूसी नहीं कहलाता। यदि संसार के अधिकांश व्यक्ति अपव्ययी होते तो इस संसार का निर्माण भी संभव न होता। सरकार का भी कर्त्तव्य है कि वह व्यय करने में अपनी आय की मर्यादा का उल्लंघन न करे अन्यथा जनता को संतुलित रखने के लिए स्वयं को असंतुलित बनाना पड़ेगा। मितव्ययी का भविष्य हमेशा सुरक्षित रहता है। उसको किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ता। उसका परिवार हमेशा प्रसन्नचित्त रहता है। अतः अल्पव्यय के गुण को अपनाना चाहिए।

उत्तर - मनुष्य अपने जीवन के कई दुःख स्वयं उत्पन्न करता है, जिनमें अपव्यय की आदत एक प्रमुख कारण है। सुखी जीवन के लिए आय और व्यय में संतुलन आवश्यक है। इच्छाओं पर नियंत्रण और आय के अनुसार खर्च करने से जीवन में संयम, व्यवस्था और आत्मनिर्भरता आती है। यह कंजूसी नहीं, बल्कि समझदारी है। सरकार को भी यही संतुलन बनाए रखना चाहिए। मितव्ययी व्यक्ति का भविष्य सुरक्षित होता है और उसका परिवार प्रसन्न रहता है। अतः सभी को अल्पव्यय का गुण अपनाना चाहिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

37. आपको प्रधानाचार्या द्वारा उत्तम छात्र का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। अपनी प्रसन्नता और अनुभव को अपने मित्र को पत्र लिखकर बताइए।

उत्तर -

34/160, पालमनगर,

न्यू दिल्ली

दिनांक : 02/06/2025

प्रिय राकेश,

सप्रेम नमस्कार। आशा है कि तुम कुशलपूर्वक होगे। आज मैं तुम्हें एक बहुत ही खुशखबरी बताना चाहता हूँ, जिसे सुनकर तुम्हें भी बहुत प्रसन्नता मिलेगी।

हाल ही में हमारे विद्यालय में वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार दिए गए। मुझे यह बताते हुए अत्यंत गर्व और प्रसन्नता हो रही है कि मुझे इस वर्ष "उत्तम छात्र पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मुझे मेरी पढ़ाई, अनुशासन, समय पालन और विद्यालय की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के आधार पर दिया गया।

जब मंच से मेरा नाम पुकारा गया और हमारी प्रधानाचार्या मैडम ने मुझे ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया, तो मेरा हृदय गर्व और आनंद से भर गया। उस क्षण को शब्दों में व्यक्त कर पाना मेरे लिए कठिन है। मेरे माता-पिता, शिक्षक और मित्र भी बहुत खुश हुए।

यह पुरस्कार मेरे लिए केवल एक सम्मान नहीं है, बल्कि आगे और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा भी है। मैं जानता हूँ कि तुम्हारा भी इसमें योगदान है, क्योंकि तुमने हमेशा मुझे प्रोत्साहित किया और पढ़ाई में मदद की।

आशा है कि अगली बार हम दोनों किसी पुरस्कार समारोह में साथ खड़े हों। जल्दी से अपने समाचार भी लिखना।

तुम्हारा मित्र

नीतीश

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

हिन्दी में लिखे सार्वजनिक सूचना पट्टो पर अशुद्ध हिन्दी देखने को मिलती है। इस ओर ध्यान आकृष्ट करने के लिए उदहरण देते हुए संपादक के नाम एक पत्र लिखिए।

उत्तर -

30/5 संस्कार अपार्टमेंट

सेक्टर-14 द्वारका, दिल्ली

5 जनवरी 2025

सेवा में,

संपादक महोदय,

नवभारत टाइम्स

विषय : सार्वजनिक सूचना पट्टों पर लिखी जा रही अशुद्ध हिन्दी की ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार पत्र के माध्यम से जनता और प्रशासन का ध्यान सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए सूचना पट्टों में लिखी जा रही अशुद्ध हिन्दी की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

आजकल रेल्वे स्टेशन, बस अड्डों, अस्पतालों, स्कूलों और अन्य सरकारी कार्यालयों में लगाए गए सूचना बोर्डों पर जो हिन्दी लिखी होती है, वह न केवल व्याकरण की दृष्टि से गलत होती है, बल्कि वर्तनी की अशुद्धियाँ और अनुवाद की भूलें भी उसमें देखने को मिलती हैं। इससे न केवल हिन्दी भाषा की गरिमा को ठेस पहुँचती है, बल्कि आमजन को भ्रम और असुविधा भी होती है। यह विडंबना है कि एक ओर हम हिन्दी को राजभाषा के रूप में गर्व से स्वीकार करते हैं, और दूसरी ओर सार्वजनिक स्थलों पर उसकी शुद्धता की अनदेखी की जाती है।

मेरा विनम्र निवेदन है कि आपके माध्यम से संबंधित विभागों और अधिकारियों को सजग किया जाए ताकि वे सूचना पट्टों की भाषा को शुद्ध, स्पष्ट और व्याकरण-सम्मत बनवाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाएँ। यह हिन्दी के मान और सम्मान की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

धन्यवाद

उदय कुमार

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड - अ

SET - C

1. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में नदियों के _____ पानी, उनमें बढ़ते _____ को लेकर दुख प्रकट किया है।

(ख) आज़ादी कविता में उस्ताद _____ भाषा का और लैंपपोस्ट _____ भाषा का शब्द है।

उत्तर -

(क) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में नदियों के **_गंदे_** पानी, उनमें बढ़ते **_प्रदूषण_** को लेकर दुख प्रकट किया है।

(ख) आज़ादी कविता में उस्ताद **फारसी** भाषा का और लैंपपोस्ट **अंग्रेजी** भाषा का शब्द है।

2. आज़ादी तनहाई के लिए _____ है।

उत्तर - आज़ादी तनहाई के लिए **_महफ़िल_** है।

3. बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता नहीं मिलती?

(A) मानवीकरण **(B) प्रश्न शैली**

(C) दृश्यात्मकता **(D) ओजस्विता**

उत्तर - (D) ओजस्विता

4. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में 'हाथ पीले करना' मुहावरा का अर्थ _____ है ।

(ख) आह्वान कविता के अनुसार सब मिलकर देश को एकता के सूत्र में बाँधों और _____ उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम करें।

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है, जिसकी _____ का विकास न हुआ हो या जो मूर्ख हो।

उत्तर -

(क) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में 'हाथ पीले करना' मुहावरा का अर्थ **शादी कर लेना** है ।

(ख) आह्वान कविता के अनुसार सब मिलकर देश को एकता के सूत्र में बाँधों और **_सुख -शांतिमय_** उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम करें।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ग) कवि वृंद के अनुसार जड़मति का अर्थ है, जिसकी _बुद्धि_ का विकास न हुआ हो या जो मूर्ख हो।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:

(क) धन आवश्यकता के अनुसार ही अच्छा होता है। कबीर के अनुसार उससे अधिक होने पर _____ पालने की अपेक्षा दान देना _____ है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने पोखर के पानी में चाँद के _____ में गोल _____ की कल्पना की है।

उत्तर -

(क) धन आवश्यकता के अनुसार ही अच्छा होता है। कबीर के अनुसार उससे अधिक होने पर _व्यसन_ पालने की अपेक्षा दान देना _बेहतर_ है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने पोखर के पानी में चाँद के _प्रतिबिंब_ में गोल _खंभे_ की कल्पना की है।

6. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

सुनता हूँ, मैंने भी देखा,
काले बादल में रहती चाँदी की रेखा।
काले बादल जाति द्वेष के,
काले बादल विश्व क्लेश के,
काले बादल उठते पथ पर,
नए स्वतन्त्रता के प्रवेश के !
सुनता आया हूँ, है देखा,
काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा !
आज दिशा है घोर अंधेरी,
नभ में गरज रही रण-भेरी,
चमक रही चपला क्षण-क्षण पर,
झनक रही झिल्ली झन-झन कर;
नाच-नाच आँगन में गाते केका-केकी,
काले बादल में लहरी चाँदी की रेखा।
काले बादल, काले बादल,
मन भय से हो उठता चंचल !
कौन हृदय में कहता पल-पल,
मृत्यु आ रही साजे दलबल !
आग लग रही, घात चल रहे,
विधि का लेखा !
काले बादल में छिपी चाँदी की रेखा !
मुझे मृत्यु की भीति नहीं है,
पर अनीति से प्रीति नहीं है,
यह मनुजोचित रीति नहीं है,
जन में प्रीति-प्रतीति नहीं है।
देश जातियों का कब होगा,
नव मानवता में रे एका,
काले बादल में कल की,
सोने की रेखा !

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(क) कवि के अनुसार काले बादल किसके प्रतीक हैं?

(A) बारिश के **(B) विश्व क्लेश के**

(C) अंधेरे के **(D) मृत्यु के**

उत्तर - (B) विश्व क्लेश के

(ख) कवि को किसका भय नहीं है?

(A) शत्रु का **(B) शासन का**

(C) संघर्ष का **(D) मृत्यु का**

उत्तर - (D) मृत्यु का

(ग) 'काले बादल में रहती चाँदी की रेखा' पंक्ति से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(A) बादल में सफेद रेखा है।

(B) विपत्तियों के बीच आशा की किरण दिखाई देती है।

(C) काले बादल में चाँदी लगी है।

(D) काले बादलों में बिजली चमक रही है।

उत्तर - (B) विपत्तियों के बीच आशा की किरण दिखाई देती है।

(घ) कवि को किस से प्रीति नहीं है?

(A) अनीति से **(B) वर्षा से**

(C) बादल से **(D) चाँदी से**

उत्तर - (A) अनीति से

7. अंधेर नगरी नाटक में 'टके सेर भाजी टके सेर खाज़ा' में निहित व्यंग्यार्थ है _____

(A) सभी चीज़ें बहुत सस्ती हैं। **(B) एक टके की एक सेर भाजी खाओ।**

(C) गुणों और मूल्यों की कदर नहीं है। **(D) सभी नागरिकों को समान महत्व मिले।**

उत्तर - (C) गुणों और मूल्यों की कदर नहीं है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

8. सार लेखक को मूल भाव और उसको पुष्ट करने वाले संबंधित बिंदुओं की पहचान कर उनको क्या देना होता है?

(A) क्रम **(B) उदाहरण**

(C) शीर्षक **(D) दोहराव**

उत्तर - (A) क्रम

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

9. अखबार में कार्टून छापने का उद्देश्य _____ और _____ टिप्पणी करना है।

उत्तर - अखबार में कार्टून छापने का उद्देश्य **_मनोरंजन_** और **_तीखी_** टिप्पणी करना है।

10. अनौपचारिक पत्र अपनों को प्रेम भरे भावों से स्वाभाविक _____ की_____में लिखे जाते हैं।

उत्तर - अनौपचारिक पत्र अपनों को प्रेम भरे भावों से स्वाभाविक **_बातचीत_** की **_शैली_** में लिखे जाते हैं।

11. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) मानव-शरीर का अध्ययन करने वाले प्राणि-विज्ञानियों का निश्चित मत है कि मानव-चित्त की भाँति मानव शरीर में ही बहुत-सी अभ्यासजन्य _____ रह गई हैं।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में देवदूत _____ का दिल और _____ की लाश ले आया।

उत्तर -

(क) मानव-शरीर का अध्ययन करने वाले प्राणि-विज्ञानियों का निश्चित मत है कि मानव-चित्त की भाँति मानव शरीर में ही बहुत-सी अभ्यासजन्य **_सहज वृत्तियाँ_** रह गई हैं।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में देवदूत **_जस्ते_** का दिल और **_गौरैया_** की लाश ले आया।

12. निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए -

(क) "किसी के दिन बराबर नहीं जाते। कितनी दर्दनाक हालत है।" _____

उत्तर - मिरज़ा

(ख) "आधी तनखाह तो नौकर पर ही खर्च हो रही है, पर रुपया-पैसा कमाया किस लिए जाता है?" _____

उत्तर - निर्मला

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

13. नीचे दिए गए कथनों को उत्तर-पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही हैं या गलत।

(क) सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया के सब साथी कल दूसरे प्रपात तक उड़ जाएँगे।

(ख) पशुता को हराने के लिए स्व का बंधन आवश्यक नहीं है।

उत्तर -

(क) सुखी राजकुमार कहानी में गौरैया के सब साथी कल दूसरे प्रपात तक उड़ जाएँगे। **(सही)**

(ख) पशुता को हराने के लिए स्व का बंधन आवश्यक नहीं है। **(गलत)**

14. निबंध में _____ होनी चाहिए, वाक्य छोटे तथा _____ होने चाहिए।

(A) क्रमबद्धता, प्रभावशाली **(B) क्रम, गंभीर**

(C) कहानी, लम्बे **(D) कल्पना, प्रभावशाली**

उत्तर - (A) क्रमबद्धता, प्रभावशाली

15. नीचे दिए गए पाठों और पात्रों के सही युग्म चुनिए और उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए-

पाठ का नाम	**पात्र का नाम**
(क) अंधेर नगरी	**वाचक**
(ख) बहादुर	**नारायणदास**

उत्तर -

पाठ का नाम	**पात्र का नाम**
(क) अंधेर नगरी	नारायणदास
(ख) बहादुर	वाचक

16. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(क) समाचारों का चयन उनके महत्व और _____ के अनुसार किया जाता है।

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में _____ स्थितियों का वर्णन किया गया है।

उत्तर -

(क) समाचारों का चयन उनके महत्व और **उपयोगिता** के अनुसार किया जाता है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ख) सुखी राजकुमार कहानी में _दयनीय_ स्थितियों का वर्णन किया गया है।

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

17. "बहादूर, आकर नाश्ता क्यों नहीं कर लेते?" बहादुर कहानी में यह कथन किसका है?

(A) किशोर **(B) वाचक**

(C) निर्मला **(D) रिश्तेदार**

उत्तर - (C) निर्मला

18. 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में मिरज़ा के घर के नौकर-चाकर शतरंज के खेल को _____ खेल बोलते थे।

(A) मनहूस **(B) अच्छा**

(C) समझदार **(D) मज़ेदार**

उत्तर - (A) मनहूस

19. गौरैया सुखी राजकुमार के सान्निध्य में क्या सीखती है?

(A) तरस खाना **(B) निस्वार्थ प्रेम**

(C) दया करना **(D) आत्मविश्लेषण**

उत्तर - (B) निस्वार्थ प्रेम

20. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

समस्त ग्रंथों एवं ज्ञानी, अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है। हमें कर्म करने के लिए जीवन मिला है। कठिनाइयाँ, दुख कष्ट आदि हमारे शत्रु हैं जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है। अंग्रेजी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने कहा है, "कायर मनुष्य अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते है किंतु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं।" विश्व के प्रायः समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशील, और अपराजेय व्यक्तित्व है। महापुरुषों को अपने जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परंतु वे घबराए नहीं संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए। संघर्ष के मार्ग पर अकेला ही चलना पड़ता है, कोई बाहरी शक्ति आप की सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। समस्याएँ वस्तुतः जीवन का पर्याय है। यदि समस्याएँ न हों,तो आदमी प्रायः अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। समस्या को सुलझाते समय, उसकासमाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभर कर आता है। धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन है। पुराणों में अनेक कथाएँ

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखें व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान के उपाय सोचें। जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्वपूर्ण कार् करेगा उतना ही उसके समक्ष समस्याएँ आएँगी और उनके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा।

(क) जीवन क्या है?

(A) धर्मक्षेत्र **(B) रणक्षेत्र**

(C) कर्मक्षेत्र **(D) क्रीड़ाक्षेत्र**

उत्तर - (C) कर्मक्षेत्र

(ख) संघर्ष के मार्ग पर कैसे चलना पड़ता है?

(A) अकेले ही **(B) झुकक**

(C) समूह में **(D) पंक्तियों में**

उत्तर - (A) अकेले ही

(ग) यदि समस्याएँ न हो, तो आदमी प्रायः अपने को कैसा समझने लगेगा?

(A) सक्रिय **(B) निष्क्रिय**

(C) दानवीर **(D) सहनशील**

उत्तर - (B) निष्क्रिय

(घ) महापुरुषों की महानता का रहस्य क्या है?

(A) उनकी दानशीलता **(B) उनकी सहनशीलता**

(C) उनकी वीरता **(D) उनकी शक्ति**

उत्तर - (C) उनकी वीरता

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए -

21. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

(i) तथैव का संधि-विच्छेद _____ है।

(ii) रेखांकित का संधि-विच्छेद _____ है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर - (i) तथैव = तथा + एव

(ii) रेखांकित = रेखा + अंकित

22. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए-

(i) परिश्रम शब्द _____ उपसर्ग है।

(ii) मालिन शब्द में _____ प्रत्यय है।

उत्तर - (i) परिश्रम शब्द में उपसर्ग = परि

(ii) मालिन शब्द में प्रत्यय = इन

23. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

(i) कमल, सुर, निडर, गति में से तद्भव शब्द है _____ ।

(ii) नासिका, गेहूँ, भिखारी, मोती में से तत्सम शब्द है _____ ।

उत्तर - (i) कमल, सुर, निडर, गति में से तद्भव शब्द है = निडर

(ii) नासिका, गेहूँ, भिखारी, मोती में से तत्सम शब्द है = नासिका

24. 'दाँत काटी रोटी' मुहावरे का अर्थ है -

(A) जूठी रोटी

(B) गहरी मित्रता

(C) गहरी शत्रुता

(D) नरम रोटी

उत्तर - (B) गहरी मित्रता

25. युद्धभूमि _____ समास का उदाहरण है।

(A) तत्पुरुष

(B) अव्ययीभाव

(C) द्वंद्व

(D) द्विगु

उत्तर - (A) तत्पुरुष

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

26. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य है-

(A) उस दृश्य को देखकर प्राण तो निकल गया।

(B) उस दृश्य को देखकर मेरा प्राण तो निकल गया।

(C) उस दृश्य को देखकर मेरे तो प्राण निकल गए।

(D) उस दृश्य को देखकर प्राण तो मेरे तो निकल गए।

उत्तर - (C) उस दृश्य को देखकर मेरे तो प्राण निकल गए।

27. प्रधानाचार्या प्रार्थना सभा में आईं और उन्होंने सदाचार पर भाषण दिया।

यह _____ वाक्य है।

(A) संयुक्त

(B) मिश्र

(C) सरल

(D) विधानसूचक

उत्तर - (A) संयुक्त

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

खंड 'ब'

28. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

क्या, होती है तुम्हारे भीतर धमस,
कटकर गिरता है जब कोई पेड़, धरती पर?
सुना है कभी,
रात के सन्नाटे में अंधेरे से मुँह ढाँप,
किस कदर रोती हैं नदियाँ?

उत्तर -

क्या, होती है.....रोती हैं नदियाँ?

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियाँ 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता से ली गई हैं, जिसकी लेखिका निर्मला पुतुल हैं। इन पंक्तियों के माध्यम से पेड़ों और नदियों के दुख को अभिव्यक्त किया है। यहाँ वे सभ्य कहे जाने वाले मनुष्य समाज से सवाल कर रही हैं, जो प्रकृति का विनाश करके भी संवेदनहीन बना रहता है।

व्याख्या : यहाँ लेखिका पूछती है कि क्या किसी मनुष्य के भीतर दर्द की लहर नहीं उठती जब धरती पर कोई पेड़ कटकर गिरता है? पेड़ केवल पेड़ नहीं, बल्कि जीवनदाता हैं। उनका गिरना मानो धरती का एक हिस्सा टूटकर गिरना है।

इसी प्रकार कवयित्री नदियों के दुख को सामने रखती है। वे कहती हैं कि रात के सन्नाटे में नदियाँ अपना मुँह अंधेरे में छिपाकर रोती हैं, क्योंकि मनुष्य उन्हें प्रदूषित कर रहा है, उनमें कचरा, गंदा पानी और अपशिष्ट डालकर उन्हें नाले में बदल रहा है। नदियाँ अपने जल से सबको जीवन देती हैं, लेकिन बदले में मनुष्य ने उन्हें केवल पीड़ा दी है। कवयित्री चाहती हैं कि हम पेड़ों और नदियों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझें और उनके संरक्षण की दिशा में संवेदनशील बनें।

विशेष :

- बातचीत व प्रश्न शैली का प्रयोग किया गया है।
- गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी में मानवीकरण का प्रयोग किया गया है।
- भावों के अनुकूल भाषा-प्रयोग है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

अथवा

पावस देखि रहीम मन, कोइल साधै मौन।
अब दादुर बक्ता भए, हमको पूछत कौन॥

उत्तर -

पावस देखि रहीम ..... पूछत कौन॥

प्रसंग : प्रस्तुत प्रसंग प्रसिद्ध कवि **"रहीम"** के दोहे से लिया गया हैं। यहाँ कवि ने जीवन की गहन सच्चाइयों और मानवीय स्वभाव को बड़ी सहजता से व्यक्त किया हैं। उन्होंने प्रकृति का सहारा लेकर ज्ञानी और अज्ञानी के व्यवहार का चित्रण किया है।

व्याख्या : कवि रहीम कहते हैं कि जब वर्षा ऋतु आती है तो कोयल मौन हो जाती है। वह सोचती है कि अब तो मेंढक (वक्ता) बोलने लगे हैं, शोर मचाने लगे हैं, तो हमारी कद्र कौन करेगा। इस उपमा के माध्यम से कवि यह समझाना चाहते हैं कि जब समाज में अज्ञानी और मूर्ख लोग बढ़-चढ़कर बातें करने लगते हैं और उनके शोर में सबकी आवाज़ दब जाती है, तब विद्वान लोग मौन धारण कर लेते हैं। उनका मौन स्थायी नहीं होता, बल्कि केवल उतने समय तक होता है, जब तक अनुचित शोर बना रहता है। जैसे ही अनुकूल समय आता है, विद्वान फिर से अपने ज्ञान और विचारों के माध्यम से समाज को मार्गदर्शन देता है।

विशेष :

- सरल व सहज भाषा का प्रयोग किया गया है।
- अन्योक्ति अलंकार का प्रयोग किया गया है।
- यहाँ कोयल ज्ञानवान और विवेकी व्यक्ति का प्रतीक है और मेंढक अज्ञानी और शोर मचाने वाले व्यक्तियों के प्रतीक हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

29. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए-

(क) आज़ादी कविता के अनुसार 'बलिदानी को जीवन' का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'आज़ादी' कविता के अनुसार बलिदानी का जीवन वही है, जो देश, समाज और मानवता के हित में अपने सुख-दुःख और प्राण तक अर्पित कर देता है।

(ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में गाँव के तालाब का सुंदर चित्रण है। उसका वर्णन कीजिए।

उत्तर - 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि को नीले तालाब में उठती लहरियाँ दिखती हैं, जिनमें भूरे रंग की घास डोल रही है। साँझ के समय तालाब की सतह पर चमकता चाँद का प्रतिबिंब सौंदर्य बढ़ाता है।

(ग) आह्वान कविता के माध्यम से बताइए कि 'देश के प्रति आपके क्या कर्तव्य हैं?

उत्तर - 'आह्वान' कविता के अनुसार देश के प्रति हमारा कर्तव्य है- परिश्रम करना, संघर्षशील रहना, एकता बनाए रखना और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर देश के विकास में योगदान देना।

(घ) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के अनुसार 'पहाड़ मौन समाधि लिए बैठा है'। इसका आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में "पहाड़ मौन समाधि लिए बैठा है" का अर्थ है कि पहाड़ शांत, स्थिर और तपस्वी-सा है, जिसे मनुष्य अपने स्वार्थ से नष्ट कर रहा है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

30. निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-

देखता हूँ मैं : स्वयंवर हो रहा है
प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है
इस विजन में,
दूर व्यापारिक नगर से,
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।

उत्तर -

देखता हूँ मैं..... उपजाऊ अधिक है।

भाव सौंदर्य : प्रस्तुत पंक्तियाँ **केदारनाथ** अग्रवाल द्वारा रचित कविता चंद्रगहना से लौटती बेर से ली गई है, जिसमें प्रकृति की सुंदरता और ग्रामीण जीवन की सरलता का बड़ा ही सजीव चित्रण किया है। इस कविता में कवि ने खेत में स्वयंवर के रूप में प्रकृति का वर्णन किया है, जहाँ चने, अलसी और सरसों के पौधे दूल्हा-दुल्हन की तरह सजे हैं। चारों ओर वातावरण में आकर्षण और अनुराग भरा हुआ है। यहाँ नगर की कृत्रिमता से दूर, ग्रामीण क्षेत्र की भूमि अधिक उपजाऊ और प्रेममयी दिखाई देती है।

शिल्प-सौंदर्य :

1. मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किया गया है।
2. कवि द्वारा प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम को व्यक्त किया गया है।
3. सरल व सहज भाषा का प्रयोग किया गया है।
4. विवाह का दृश्य दिखाने के लिए उससे जुड़े शब्दों का प्रयोग किया गया है, जैसे- हाथ पीले करना, ब्याह मंडप, स्वयंवर आदि।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

आओ, मिलें सब देश-बांधव हार बन कर देश के,
साधक बने सब प्रेम से सुख-शांतिमय उद्देश्य के,
क्या सांप्रदायिक भेद से ऐक्य मिट सकता अहो !
बनती नहीं क्या एक माला विविधा सुमनों को कहो?

उत्तर -

आओ, मिलें सब ..... सुमनों को कहो?

भाव-सौन्दर्य : प्रस्तुत पंक्तियाँ राष्ट्रकवि **मैथिलीशरण गुप्त** की ***आह्वान*** कविता से ली गई हैं। कवि इन पंक्तियों में देशवासियों को एकता और भाईचारे का संदेश देते हैं। वे कहते हैं कि भारत अनेक धर्मों, जातियों और संप्रदायों का देश है। अगर हम **आपसी भेदभाव भूलकर** मिलकर काम करें, तो हमारा देश **सुख, शांति और प्रगति** की ओर बढ़ सकता है।

कवि प्रश्न करते हैं कि **क्या जाति या संप्रदाय का भेद हमें एक होने से रोक सकता है?** उनका उत्तर है नहीं। जिस प्रकार अलग-अलग फूलों को मिलाकर सुंदर माला बनाई जाती है, वैसे ही विभिन्न समुदायों और विचारों के लोग भी प्रेम और सहयोग से एक होकर रह सकते हैं।

कवि का मुख्य संदेश है कि **एकता में ही शक्ति है**। हमें **भाईचारे और प्रेम** के साथ मिलकर देश की उन्नति के लिए काम करना चाहिए। यह विचार हमें सिखाता है कि **सभी लोग मिलकर ही देश को आगे बढ़ा सकते हैं**।

शिल्प-सौन्दर्य :

1. **कवि :** मैथिलीशरण गुप्त
2. **कविता का नाम :** आह्वान
3. सहज, स्पष्ट और आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

31. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) मूल्यवान वस्तुएँ सस्ती होने पर भी महंत ने अंधेर नगरी में रहने के लिए क्यों मना किया?

उत्तर - महंत ने अंधेर नगरी में इसलिए रहने से मना किया क्योंकि वहाँ की शासन, न्याय और व्यापार व्यवस्था अव्यवस्थित थी। राजा-प्रजा मूर्ख थे और हर वस्तु का मूल्य समान था।

(ख) 'सुखी राजकुमार' कहानी में ईश्वर और उसके देवदूत की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

उत्तर - 'सुखी राजकुमार' कहानी में, ईश्वर और देवदूत करुणा, त्याग और न्याय के प्रतीक हैं। राजकुमार और गौरैया की निस्वार्थ सेवा से प्रसन्न होकर ईश्वर उन्हें स्वर्ग में स्थान देता है।

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

उत्तर - 'शतरंज के खिलाड़ी' शीर्षक इसलिए सार्थक है क्योंकि यह पात्रों के शतरंज-प्रेम के साथ-साथ अवध के राजनीतिक पतन और शासक वर्ग की उदासीनता का प्रतीक बनकर सामने आता है।

32. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए -

(क) बहादुर वाचक के परिवार के लिए घमंड और दिखावे का माध्यम है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - 'बहादुर' कहानी में, लेखक का परिवार बहादुर को अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा और घमंड को प्रदर्शित करने के लिए एक माध्यम मानता है। वे बहादुर को अपनी भौतिक सुख-सुविधाओं के प्रदर्शन और सामाजिक हैसियत बढ़ाने के उपकरण के रूप में देखते हैं, जिससे उनका घमंड और दिखावा स्पष्ट होता है।

(ख) बच्चों की पात्र-योजना सुखी राजकुमार कहानी में क्या-क्या उजागर करने के लिए की गई थी?

उत्तर - 'सुखी राजकुमार' कहानी में पात्रों के माध्यम से समाज में व्याप्त गरीबी, दुख और असमानता को उजागर किया गया है, साथ ही निस्वार्थ प्रेम, करुणा और त्याग जैसे मानवीय मूल्यों का भी चित्रण किया गया है।

(ग) अंधेर नगरी नाटक के मंत्री के विषय में आप क्या जानते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - "अंधेर नगरी" के मंत्री का पात्र स्वार्थी और विवेकहीन है। वह राजा के गलत निर्णयों को जानकर भी उसकी चापलूसी करता है। सत्ता की लालच में अपनी बुद्धि और विवेक को त्याग देता है। नाटक के अंत में, वह भी फाँसी के दावेदारों में शामिल हो जाता है, जो उसकी स्वार्थपरक सोच को दर्शाता है।

(घ) 'मरे हुए बच्चे को गोद में दबाए रखने वाली बंदरिया' का उदाहरण देने का क्या उद्देश्य है? नाखून क्यों बढ़ते हैं? पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर - 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' पाठ में मरे हुए बच्चे को गोद में दबाए रखने वाली बंदरिया का उदाहरण देने का उद्देश्य यह है कि मनुष्य को मोह-माया के बंधनों और पुरानी रूढ़ियों से मुक्त होकर आगे बढ़ना चाहिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

33. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

बादशाह को लिए हुए सेना सामने से निकल गई। उनके जाते ही मिरज़ा ने फिर बाज़ी बिछा दी। हार की चोट बुरी होती है। **मीर** ने कहा - आइए नवाब साहब के मातम में एक मरसिया कह डालें। लेकिन, मिरज़ा की राजभक्ति अपनी हार के साथ लुप्त हो चुकी थी। वे हार का बदला चुकाने के लिए अधीर हो रहे थे। शाम हो गई। खंडहर में चमगादड़ों ने चीखना शुरू किया। अबाबीलें आ-आ कर अपने-अपने 'घोंसलों' में चिमटीं। पर दोनों खिलाड़ी डटे हुए थे।

उत्तर -

बादशाह को लिए ..... डटे हुए थे।

प्रसंग : प्रस्तुत अवतरण प्रसिद्ध लेखक **"मुंशी प्रेमचंद"** की कहानी **'शतरंज के खिलाड़ी'** से लिया गया है। इसमें नवाब वाजिद अली शाह के शासनकाल और लखनऊ की ऐयाशी भरी संस्कृति का चित्रण किया गया है।

व्याख्या : इस अंश के माध्यम से लेखक ने उस समय का चित्रण है जब अंग्रेज़ी सेना लखनऊ के राजा वाजिद अली शाह को बंदी बनाकर ले जा रही थी। परंतु मीर और मिर्ज़ा अपने शतरंज के खेल में इतने व्यस्त थे कि न राजा की गिरफ़्तारी का उन्हें ग़म हुआ और न देश के बिगड़ते हालात की चिंता। मीर ने नवाब के मातम पर मरसिया कहने का सुझाव दिया, पर मिर्ज़ा को इससे कोई मतलब नहीं था। उनकी देशभक्ति और राजभक्ति उनकी बाज़ी की हार के साथ समाप्त हो चुकी थी। और वे केवल हार का बदला लेने के लिए बेचैन हो उठे। शाम हो चुकी थी, खंडहर में अंधेरा और उदासी फैल गई थी, फिर भी वे खेल में डटे रहे। लेखक यह बताना चाहते हैं कि जब समाज के जिम्मेदार लोग अपने कर्तव्यों से मुंह मोड़ लेते हैं और केवल व्यक्तिगत सुखों में लिप्त रहते हैं, तो राष्ट्र कमजोर और गुलाम हो जाता है।

विशेष :

- सरल और सहज भाषा का प्रयोग हुआ है।
- **अरबी** भाषा के शब्द का प्रयोग किया गया है।
- अमीर वर्ग की लापरवाही और देश के संकट के प्रति उदासीनता पर व्यंग्य किया गया है।

अथवा

किशोर तो जैसे उसकी जान के पीछे पड़ गया था। वह उदास रहने लगा और काम में लापरवाही करने लगा। एक दिन मैं दफ़्तर से विलंब से आया। निर्मला आँगन में चुपचाप सिर पर हाथ रखकर बैठी थी। अन्य लड़कों का पता नहीं था केवल लड़की अपनी माँ के पास खड़ी थी। अँगीठी अभी जली नहीं थी। आँगन गंदा पडा था। बर्तन बिना मले हुए रखे थे। सारा घर जैसे काट रहा था।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

उत्तर -

किशोर तो जैसे ..... काट रहा था।

प्रसंग : प्रस्तुत अवतरण **'बहादुर'** पाठ से लिया गया है जिसके लेखक **"अमरकांत"** है। इस पंक्तियों में बहादुर पर किशोर और निर्मला द्वारा लगातार परेशान करने और डराने-धमकाने का असर दिखाया गया है।

व्याख्या : प्रस्तुत पंक्तियों में बहादुर पर चोरी का आरोप लगाने के बाद से किशोर तो उसकी जान के पीछे पड़ गया था और उसे परेशान करने लगा था, उसे निरंतर डाँट-फटकार सहनी पड़ रही थी, जिसके कारण वह उदास रहने लगता है और काम में लापरवाही करने लगता है।

एक दिन वाचक दफ्तर से देर से घर आया, तो देखा कि निर्मला आँगन में चुपचाप बैठी थी।, सिर पर हाथ रखकर अपने दुःख और चिंता को व्यक्त कर रही थी। घर में अन्य लड़कों का पता नहीं था और केवल लड़की अपनी माँ के पास खड़ी थी। अँगीठी भी अभी जली नहीं थी। घर का वातावरण बहुत ही उदास और अशांत था। आँगन गंदा पड़ा था और बर्तन बिना मले हुए रखे थे।

विशेष :

1. भाषा सरल और सहज है, परन्तु उसके माध्यम से गहरी नैतिक और सामाजिक बात कही गई है।
2. इस कहानी की भाषा पात्रों के व्यक्तित्व और उनके भावों के अनुकूल है।
3. बहादुर के अकेलेपन और पीड़ा को प्रभावशाली ढंग से दिखाया गया है।

34. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

सफलता और चरितार्थता में अंतर है। मनुष्य मारणास्त्रों के संचयन से, बाह्य उपकरणों के बाहुल्य से उस वस्तु को पा भी सकता है, जिसे उसने बड़े आड़म्बर के साथ सफलता का नाम दे रखा है। परंतु मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सब के मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है। नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अंध सहजात वृत्ति का परिणाम है जो उस के जीवन में सफलता

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - पाठ का नाम - नाखून क्यों बढ़ते हैं।

लेखक का नाम - हजारी प्रसाद द्विवेदी।

(ख) मनुष्य की चरितार्थता किस-किस में है?

उत्तर - मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में, मैत्री में, त्याग में और सबके मंगल के लिए निःस्वार्थ भाव से अपने को देने में है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(ग) मनुष्य अपनी सच्ची जीत कैसे सिद्ध करता है?

उत्तर - मनुष्य अपनी सच्ची जीत अपने स्वनिर्धारित आत्मबंधन के माध्यम से, नाखून काटने जैसे प्रतीकों द्वारा, अपने जीवन को चरितार्थता की ओर ले जाकर और दूसरों के लिए त्याग व सेवा करके सिद्ध करता है।

अथवा

उसके बाद ओले गिरे और फिर पाला पड़ने लगा। सड़कें चमकदार बर्फ से ढककर चाँदी की मालूम होने लगी। छज्जों से बड़े-बड़े बर्फ के टुकड़े लटकने लगे। सभी फ़र के ओवरकोट पहनकर निकलने लगे। बेचारी नन्हीं गौरैया ठंड से अकड़ने लगी; लेकिन वह उसे इतना प्यार करती थी कि उसे वह छोड़ नहीं सकती थी। अंत में उसे लगा की अब उसके दिन करीब हैं। अब उसके परों में केवल इतनी शक्ति शेष थी कि वह राजकुमार के कंधों तक एक बार उड़ सकती थी।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर - पाठ का नाम - सुखी राजकुमार

लेखक का नाम - ऑस्कर वाइल्ड

(ख) गद्यांश में वर्णित प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर - गद्यांश में शीत ऋतु का सुंदर चित्रण है। ओले और पाले से सड़कें चाँदी जैसी चमकती हैं, बर्फ के टुकड़े लटकते हैं, और वातावरण ठंड एवं सौंदर्य से भरा है।

(ग) इस गद्यांश से गौरैया के चरित्र की किन विशेषताओं का पता चलता है?

उत्तर - गौरैया साहसी और धैर्यशील है। वह अपने प्रिय राजकुमार के प्रति स्नेही और प्रेमपूर्ण है। विपरीत परिस्थितियों में भी त्याग, समर्पण और वफादारी दिखाती है, अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना पूरी शक्ति से मदद करती है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

35. निम्नलिखित गद्यांश का सार एक-तिहाई शब्दों में लिखिए -

'दैव-दैव आलसी पुकारा' उक्ति का अर्थ है कि आलसी व्यक्ति ही भाग्य की दुहाई देता है। वह भाग्य के भरोसे ही जीवन बिता देना चाहता है। सुख प्राप्त होने पर वह भाग्य की प्रशंसा करता है और दुख आने पर वह भाग्य को कोसता है। यह ठीक है कि भाग्य का भी हमारे जीवन में महत्व है, लेकिन आलसी बन कर बैठे रहना तथा असफलता प्राप्त होने पर भाग्य को दोष देना किसी प्रकार भी उचित नहीं। प्रयास और परिश्रम की महिमा सब जानते हैं। परिश्रम के बल पर मनुष्य भाग्य की रेखाओं को भी बदल सकता है। परिश्रम सफलता की कुंजी है। कहा भी है - यदि पुरुषार्थ मेंरे दाएँ .हाथ में है तो विजय बाएँ हाथ में। परिश्रम से मिट्टी भी सोना उगलती है। आलसी और कामचोर व्यक्ति ही भाग्य के लेख पढ़ते हैं। कर्मठ व्यक्ति तो बाहुबल पर भरोसा करते हैं। परिश्रमी व्यक्ति स्वावलंबी, ईमानदार, सत्यवादी एव चरित्रवान होता है। आलसी व्यक्ति जीवन में कभी प्रगति नहीं कर सकता। आलस्य जीवन को जड़ बनाता है। आलसी परावलंबी होता है। इसलिए आलस छोड़कर परिश्रमी बनना चाहिए।

उत्तर - "दैव-दैव आलसी पुकारा' का अर्थ है कि आलसी व्यक्ति ही बार-बार भाग्य का सहारा लेता है। वह बिना प्रयास किए केवल किस्मत के भरोसे जीवन बिताना चाहता है। सुख मिलने पर भाग्य की प्रशंसा करता है और दुख आने पर उसे दोष देता है। यह सत्य है कि भाग्य का महत्व है, परंतु सफलता के लिए पुरुषार्थ और परिश्रम अनिवार्य है। परिश्रम से मनुष्य भाग्य की रेखाओं को भी बदल सकता है और विजय प्राप्त कर सकता है। परिश्रमी व्यक्ति स्वावलंबी, ईमानदार और चरित्रवान बनता है, जबकि आलस्य जीवन को जड़ बनाकर प्रगति रोक देता है। इसलिए आलस त्यागकर कर्मठ और पुरुषार्थी बनना चाहिए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

36. सड़कों की दुर्दशा पर खेद प्रकट करते हुए नगरपालिका के अध्यक्ष को पत्र लिखिए।

उत्तर -

ए/303, गाँधी नरग

नई दिल्ली -110002

22-अक्टूबर-2025

सेवा में,

नगरपालिका अध्यक्ष,

दिल्ली नगर निगम,

न्यू दिल्ली

विषय : सड़कों की दुर्दशा पर खेद प्रकट करने हेतु पत्र

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं शिवानी **वसंत कुंज**, नई दिल्ली की निवासी हूँ मैं आपका ध्यान हमारे शहर की सड़कों की खराब स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ। शहर की अधिकांश सड़कें टूटी हुई, गड्ढों से भरी हुई हैं और उनकी मरम्मत नहीं की गई है, जिसके कारण निवासियों को दैनिक आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

ये खराब सड़कें न केवल वाहनों को नुकसान पहुँचा रही हैं, बल्कि दुर्घटनाओं का कारण भी बन रही हैं। बारिश के मौसम में तो स्थिति और भी भयावह हो जाती है, क्योंकि गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी स्थिति और खराब हो जाती है। इससे पैदल चलने वालों और स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए भी खतरा उत्पन्न हो गया है।

मैं आपसे अनुरोध करती हूँ कि इस समस्या पर तुरंत ध्यान देते हुए सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू करवाएँ, ताकि नागरिकों को सुगम और सुरक्षित यात्रा की सुविधा प्रदान की जा सके।

भवदीय,

शिवानी

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

आप एक ट्रैकिंग कैंप में जाना चाहते हैं। पिताजी ने मना कर दिया है। उन्हें ट्रैकिंग के लाभ समझाते हुए पत्र लिखिए।

उत्तर -

123, राम नगर,

नई दिल्ली - 110018

दिनांक : 27 अगस्त 2025

पूजनीय पिताजी,

सादर प्रणाम।

आशा है आप स्वस्थ और प्रसन्न होंगे। पिताजी, मैंने आपसे ट्रैकिंग कैंप में जाने की अनुमति माँगी थी, लेकिन आपने मना कर दिया। मैं समझता हूँ कि आप मेरी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। फिर भी मैं आपको बताना चाहता हूँ कि ट्रैकिंग जाना मेरे लिए कितना लाभकारी होगा।

ट्रैकिंग से शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। पहाड़ों पर चढ़ाई करने से शरीर मजबूत बनता है और सहनशीलता बढ़ती है। यह खेल मुझे प्रकृति के करीब ले जाएगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा और पढ़ाई में भी मन अधिक लगेगा। इसके अलावा, समूह में रहकर कार्य करना सीखूँगा, जिससे अनुशासन, साहस और आत्मविश्वास बढ़ेगा। कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना और समस्याओं का समाधान ढूँढना भी सीख सकूँगा।

मैं वादा करता हूँ कि वहाँ पूरी सावधानी रखूँगा और शिक्षकों व प्रशिक्षकों के निर्देशों का पालन करूँगा। आपकी अनुमति मेरे लिए सबसे बड़ा सहारा होगी।

आपका आज्ञाकारी पुत्र

नितिन

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

37. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए :

(क) इक्कीसवीं सदी का भारत

(ख) बढ़ती आबादी और सिमटते साधन

(ग) स्वच्छ भारत अभियान का प्रभाव

(घ) जहाँ चाह वहाँ राह

उत्तर -

स्वच्छ भारत अभियान का प्रभाव

भूमिका : भारत एक विशाल और प्राचीन देश है, जहाँ संस्कृति और सभ्यता की महान परंपरा रही है। किंतु लंबे समय से गंदगी, खुले में शौच और कचरे की समस्या से हमारा देश जूझता रहा। ऐसी स्थिति में स्वच्छता की ओर ध्यान दिलाने और देशवासियों को प्रेरित करने के लिए **2 अक्टूबर 2014** को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की। इसका उद्देश्य था- भारत को गंदगी मुक्त बनाना और हर नागरिक को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना।

विषय-वस्तु : इस अभियान के अंतर्गत गांवों और शहरों में शौचालयों का निर्माण हुआ, जिससे खुले में शौच की समस्या काफी हद तक कम हुई। लोग अब सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फैलाने से बचने लगे हैं। स्कूलों और कार्यालयों में स्वच्छता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाने लगे। इससे बच्चों और युवाओं में साफ-सफाई की आदत विकसित हुई।

स्वच्छ भारत अभियान का प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी सकारात्मक रहा। पहले सफाई कार्य को तुच्छ समझा जाता था, लेकिन अब सफाई कर्मियों के प्रति लोगों का दृष्टिकोण बदला है। उन्हें सम्मान मिलने लगा है। साथ ही, साफ वातावरण में रहने से लोग मानसिक रूप से भी प्रसन्न रहने लगे हैं।

उपसंहार : स्वच्छ भारत अभियान ने देश को नई दिशा दी है। यह अभियान हमें याद दिलाता है कि "स्वच्छता ही सेवा है।" यदि हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझे और घर से लेकर गली-मोहल्ले तक सफाई बनाए रखे, तो निश्चित ही भारत शीघ्र ही एक स्वच्छ और स्वस्थ राष्ट्र बन सकेगा। इस प्रकार यह अभियान केवल सरकार का नहीं, बल्कि हर भारतीय का अभियान है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success